Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 72 जयपुर, शनिवार, 17 अगस्त 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी सुर्खियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

जम्मू-कश्मीर में 18 सितंबर से वोटिंग,हरियाणा में 1 अक्टूबर को

4 अक्टूबर को रिजल्ट, महाराष्ट्र में त्योहारों के बाद चुनाव, झारखंड का जिक्र नहीं

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शुक्रवार (16 अगस्त) को जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों पर 3 फ़ेज में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। हरियाणा की सभी 90 सीटों पर सिंगल फ़ेज में 1 अक्टूबर को वोटिंग होगी। दोनों राज्यों के नतीजे 4 अक्टूबर को आएंगे। जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव होंगे। अनुच्छेद 370 हटने के बाद ये पहला विधानसभा चुनाव होगा। एक्ए राजीव कुमार बोले- महाराष्ट्र में त्योहार की वजह से चुनाव बाद में होंगे। उन्होंने झारखंड का जिक्र नहीं किया। हरियाणा सरकार का कार्यकाल 3 नवंबर, महाराष्ट्र का 26 नवंबर और झारखंड का 5 जनवरी को खत्म हो रहा है। चीफ इलेक्शन कमिश्नर राजीव कुमार ने कहा, ‘श्री जेंटलमेन आर बैक। लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए। देशभर ने चुनाव का पर्व मनाया। लंबी कतारें दिखीं, बुजुर्ग, यूथ वोट डालने गए। लोकतंत्र का जीवित उदाहरण देश ने देखा। जो तस्वीर भारत ने दुनिया को दिखाई, वो चकित करने वाली थीं। जो चमक हमने देखी, वो बहुत दिन तक दिखाई देगी। जब भी कहीं दुनिया में चुनाव होंगे, आपको अपने देश की याद आएगी और हमारी ताकत की याद दिलाती रहेगी।

कश्मीरी नेता बोले, आज बहुत खुशी का दिन

जम्मू-कश्मीर कांग्रेस नेता गुलाम अहमद मीर- आज बहुत खुशी का दिन है। देर से आए, लेकिन दुरुस्त आए। केंद्र सरकार, गृह मंत्रालय संसद में एक बयान देता था, बाहर दूसरा। जम्मू-कश्मीर के लोग यहां अपनी सरकार की मांग कर रहे थे, ताकि वे अपने नुमाइंदों को चुन सकें। चुनाव कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने भी डायरेक्शन दिया था। नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख, उमर अब्दुल्ला ने कहा, ‘जम्मू-कश्मीर प्रशासन को फ़ेरबदल का आदेश देने के लिए अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस पर बुलाना पड़ा। मुझे लगता है कि उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि चुनाव आयोग चुनाव की तारीखों की घोषणा करेगा। महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों पर 2019 में चुनाव हुए थे। बीजेपी 106 विधायकों के साथ राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनी। मुख्यमंत्री पद को लेकर शिवसेना और भाजपा में बात नहीं बन पाई। 56 विधायकों वाली शिवसेना ने 44 विधायकों वाली कांग्रेस और 53 विधायकों वाली एनसीपी के साथ मिलकर महाविकास अघाड़ी की सरकार बनाई।

जम्मू-कश्मीर: नई सरकार का कार्यकाल 6 साल की जगह 5 साल का होगा

सुप्रीम कोर्ट ने 30 सितंबर 2024 तक जम्मू कश्मीर में चुनाव कराने का आदेश दिया था। राज्य से अनुच्छेद 370 हटने के बाद ये पहला विधानसभा चुनाव होगा। केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को आर्टिकल 370 हटाया था। इसके बाद से यहां ख्रक्रमनोज सिन्हा प्रशासक हैं। चुनाव के बाद नई सरकार का कार्यकाल 6 साल की जगह 5 साल का होगा। जम्मू-कश्मीर में हमने जिनसे, राजनीतिक दलों से बात की, सबका मत था कि जल्द से जल्द चुनाव हों। आपको याद है कि मतदान केंद्र पर जो लंबी कतारें लगी थीं, वो जम्हूरियत की ताकत थी। उम्मीद और जम्हूरियत की झलक बताती है कि अवाम अपनी तकदीर खुद बदलना चाहते हैं। लोग चाहते हैं कि खुद देश का भविष्य बदलने का हिस्सा बने। देशभर की 46 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव समय आने पर घोषित किए जाएंगे। वायनाड सीट पर प्राकृतिक आपदा के कारण अभी उपचुनाव नहीं हो सकता। वहां मतदान समय पर होगा। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने। मई 2022 महाराष्ट्र सरकार में नगर विकास मंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने 39 विधायकों के साथ बगावत कर दी। बाद में वह भाजपा के साथ मिल गए। 30 जून 2022 को एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र के 20वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।

राजस्थान में तेज बारिश, पाली में कार नदी में बही

धौलपुर में पार्वती बांध के गेट खोले, बीकानेर के सुरपुरा गांव में तीन-तीन फीट पानी भरा

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान में तेज बारिश कहर बरपा रही है। पाली के सोजत में नदी में कार बह गई। बीकानेर के सुरपुरा गांव में तीन-तीन फीट तक पानी भर गया। यहां बाढ़ के हालात बन गए। धौलपुर में पार्वती बांध ओवरफ्लो हो गया। ऐसे में गुरुवार रात को 4 गेट खोलकर पानी की निकासी की गई। वहीं रामसागर और तालाबशाही बांध पर चादर चल रही है तेज बारिश के चलते नागौर, बीकानेर में बारिश के कारण दो मकान गिर गए, जबकि जयपुर के चांदपोल में कमजोर मकान को नगर निगम ने गिरा दिया। जयपुर के ही जोबनेर में पानी के कटाव के कारण एक मकान ढह गया। जयपुर के चांदपोल बाजार स्थित कल्याण जी का रास्ता में गुरुवार को हुई बारिश के बाद जर्जर मकान की दीवार गिर गई थी। इसके बाद नगर निगम प्रशासन द्वारा मकान को खाली करवाया गया और आज सुबह गिराया गया। चित्तौड़गढ़ के रावतभाटा में गुरुवार देर रात पाड़ाझर जंगल में फंसे 53 टूरिस्टों का आज सुबह रेस्क्यू किया गया। करीब 15 घंटे फंसे रहे पर्यटकों को बचाने के लिए एसडीआरएफ ने डेढ़ घंटे ऑपरेशन चलाया। सभी टूरिस्ट चित्तौड़गढ़ शहर और कोटा के हैं। गुरुवार रात पिकनिक मनाने ये सभी लुहारिया (चित्तौड़गढ़) झरने पर आए थे। बरसाती नाले में उफान के कारण सभी रात को

यहीं फंस गए। एसडीआरएफ की टीम रात को ही जंगल में पहुंच गई थी, लेकिन शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे रेस्क्यू शुरू हो सका। रावतभाटा के जंगलों में करीब 20 गांव टापू बन गए हैं। इन्हीं में से एक गांव में टूरिस्ट फंसे गए थे। बरसाती नाले के कारण गांव से कोई भी बाहर नहीं निकल पा रहा है। भारी बारिश से मासी नदी में पानी का बहाव तेज हो गया, जिसके कारण स्कूल से गांव जाने वाला रास्ता बंद हो गया था। दूदू जिले के फागी इलाके में हुई तेज बारिश के कारण मासी नदी में पानी बढ़ गया और 42 स्टूडेंट और 8 टीचर स्कूल में फंस गए। बिजली गुल होने से गर्मी, उमस और अंधेरे में परेशान होने के साथ ही छात्र भूख से बेहाल हो गए। ग्रामीणों ने छात्रों के लिए खाने की कुछ चीजें पहुंचाई। शुक्रवार को शाम करीब 4 बजे सभी को रेस्क्यू कर लिया गया।

राजस्थान में 2 हजार से ज्यादा रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर

एसएमएम समेत सभी हॉस्पिटल में ओपीडी-आईपीडी सर्विस बंद, केवल इमरजेंसी केस अटेंड किए

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। कोलकाता में महिला डॉक्टर से रेप-मर्डर के विरोध में आज राजस्थान के सभी सरकारी अस्पतालों में रेजिडेंट डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया। जयपुर में 250, बीकानेर में 500, जोधपुर में 500, अजमेर में 648 और कोटा में 300 से ज्यादा रेजिडेंट ने काम बंद रखा। जयपुर के साथ अजमेर, बीकानेर, जोधपुर और उदयपुर में भी कार्य बहिष्कार किया गया। जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (जार्ड) के आह्वान पर सवाई मानसिंह हॉस्पिटल (एसएमएस), जयपुरिया हॉस्पिटल, बनीपार्क स्थित डेंटल कॉलेज हॉस्पिटल समेत तमाम हॉस्पिटलों में आज ओपीडी का बहिष्कार करते हुए डॉक्टर्स ने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। सभी आज सुबह एसएमएस धंवनतरी ओपीडी में एकजुट हुए। यहां मैन पोर्च में आकर धरना देते हुए विरोध प्रदर्शन किया। यहां डॉक्टरों ने कोलकाता पीड़ित डॉक्टर को न्याय दिलाने की मांग करने के साथ ही सरकार से रेजिडेंट डॉक्टर्स की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाने की मांग की। इस दौरान 250 से ज्यादा रेंजिडेंट डॉक्टरों ने आज अपना काम बंद रखा। जयपुरिया हॉस्पिटल में भी करीब 70 से ज्यादा रेजिडेंट्स डॉक्टर्स के ओपीडी बहिष्कार का असर देखने को मिला। यहां सीनियर डॉक्टर्स ने ओपीडी में मरीजों का उपचार कर उन्हें

दवाइयां दी। हड़ताल का असर इन हॉस्पिटल की ओपीडी सेवाओं के साथ आईपीडी सेवाओं पर भी पड़ा। एसएमएस हॉस्पिटल में ही जहां रोजाना 200 से ज्यादा ऑपरेशन होते हैं। 50 फीसदी ही रह गए। वहीं, प्रमुख जांचें जिनमें रेजिडेंट की भूमिका रहती है। वहां भी काम प्रभावित रहा। ओपीडी सेवाएं प्रभावित होने का असर इमरजेंसी सेवाओं पर देखने को मिल रहा है। यहां मरीजों की भीड़ बढ़ गई। एसएमएस हॉस्पिटल की इमरजेंसी में डॉक्टरों की संख्या कम होने और मरीजों की संख्या अचानक बढ़ने का असर यहां की सर्विस पर देखने को मिला। अजमेर जेएलएन मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टर्स के द्वारा जेएलएन अस्पताल से रैली निकाली गई। रैली विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस मेडिकल कॉलेज पर आकर समाप्त हुई।

जोधपुर में चार दिन से हड़ताल पर डॉक्टर

जोधपुर के रेजिडेंट डॉक्टर चार दिन से हड़ताल पर हैं। सभी सेंट्रल प्रोटेक्शन बिल की मांग कर रहे हैं। एम्स हॉस्पिटल व डॉ संपूर्णानंद (एसएन) मेडिकल कॉलेज के बाहर स्टूडेंट धरना लगाकर बैठे है। शुक्रवार को सभी रेजिडेंट्स ने शहर के मुख्य मार्ग से विरोध रैली निकाली। मेडिकल कॉलेज रेजिडेंट अध्यक्ष डॉ. रविंद्र चारण ने बताया- सेंट्रल प्रोटेक्शन बिल की मांग को लेकर एम्स व मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट हड़ताल कर रहे है। हर दिन विरोध को स्टूडेंट अलग ऽ अलग तरीके के जता रहे है। इस दौरान डॉक्टर्स के द्वारा ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या के आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की है।

उदयपुर में 2 छात्रों के झगड़े के बाद बवाल

कई जगह हिंसा, गाड़ियां जलाईं, मॉल में तोड़फोड़-पथराव, धारा-163 लागू

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में शुक्रवार (16 अगस्त) को सरकारी स्कूल के दो स्टूडेंट के झगड़े के कारण तनाव हो गया। लोगों ने शॉपिंग मॉल में तोड़फोड़ की और पथराव किया। एक गैरेज में खड़ी कारों को आग भी लगा दी। पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। इसके बाद कलेक्टर ने शहर में धारा-163 लागू कर दी। घटना सूरजपोल थाना क्षेत्र में सुबह 10:30 बजे हुई। यहां राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल भट्टियानी चौहट्टा में एक स्टूडेंट ने दूसरे छात्र को चाकू से हमला कर घायल कर दिया। इसके बाद नाबालिग आरोपी फरार हो गया। स्कूल के टीचर घायल स्टूडेंट को महाराणा भूपाल (एमबी) हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना में शामिल दोनों स्टूडेंट अलग-अलग धर्म के हैं। मामले का पता चलते ही हिंदू संगठनों ने शहर के चेतक सर्किल, हाथीपोल, अश्विनी बाजार, बापू बाजार और घंटाघर एरिया में दुकानें बंद करवा दीं। इसके बाद भीड़ हिंसक हो गई। कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने बताया- नाबालिग छात्र को हिरासत में लेकर उसके पिता को गिरफ्तार किया गया है। एहतियातन पुलिस तैनात है।

आरोपी और पीड़ित एक ही क्लास के स्टूडेंट

जिला शिक्षा अधिकारी लोकेश भारती ने बताया- दोनों नाबालिग की उम्र करीब 15 साल है। दोनों एक ही क्लास में पढ़ते हैं। दोनों के बीच पहले क्या विवाद हुआ, इसके बारे में जानकारी नहीं है। जब लंच हुआ तो दोनों के बीच स्कूल के बाहर झगड़ा हुआ। इस झगड़े में एक स्टूडेंट ने दूसरे की जांघ में चाकू से दो-तीन वार कर घायल कर दिया। घायल स्टूडेंट चिल्लाने लगा तो टीचर दौड़कर बाहर आए। बच्चे के परिजन को जब घटना की जानकारी मिली तो वे एमबी अस्पताल पहुंचे। यही नहीं, हिंदू संगठनों के लोगों ने हॉस्पिटल पहुंचकर नारेबाजी की और घटना को लेकर आक्रोश जताया। हॉस्पिटल में पुलिस का जाब्ता तैनात किया गया है। प्रिंसिपल ईशा धर्मावत ने बताया- लंच के करीब 5 से 7 मिनट बाद अचानक स्कूल के बाहर से कुछ छात्र चिल्लाते हुए दौड़कर अंदर आए। मैंने तुरंत बाहर जाकर देखा तो हैरान रह गई। स्टूडेंट घायल अवस्था में था। मेरी स्कूटी पर बैठाकर स्टाफ ने उसे तुरंत हॉस्पिटल पहुंचाया। दोनों छात्र पढ़ाई में अच्छे हैं। इससे पहले दोनों को स्कूल में कभी झगड़ते हुए नहीं देखा, न ही सुना। इस तरह की घटना ने हमें भी चौंका दिया। उदयपुर एएसपी सिटी उमेश ओझा ने बताया कि शहर के लगभग सभी इलाकों में पुलिस बल तैनात है। इसमें शहर के करीब 15 थानों का जाब्ता लगाया है। पुलिस लाइन से भी अतिरिक्त फोर्स तैनात किया गया है। सभी पुलिस अफसर फील्ड में रहकर हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए हैं।

राजेश सिंह नए रक्षा सचिव, पुण्य सलिला स्वास्थ्य सचिव बनीं

■ संजीवनी टुडे

केंद्रीय कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमेटी ने 15 अफसरों के विभाग बदले

नई दिल्ली। सीनियर आईएएस अफसर राजेश कुमार सिंह नए रक्षा सचिव होंगे। वे मौजूदा रक्षा सचिव अरमानी गिरधर की जगह लेंगे, जो 31 अक्टूबर को रिटायर हो रहे हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय में विशेष सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव को स्वास्थ्य व परिवार कल्याण सचिव नियुक्त किया गया है। केंद्रीय कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमेटी ने शुक्रवार (16 अगस्त) को सेक्रेटरी लेवल के अफसरों के विभाग बदले हैं। प्रेस रिलीज के जरिए 15 से ज्यादा अफसरों की नई नियुक्ति की जानकारी दी गई है। राजेश सिंह केरल कैडर के 1989 बैच के अधिकारी है। वे केंद्र सरकार में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, कृषि समेत कई अन्य विभागों में महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं।राजेश अभी डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड के सचिव हैं। उन्हें रक्षा मंत्रालय में ओएसडी के रूप में नियुक्त किया गया है। कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमेटी ने राजेश सिंह की रिटायरमेंट की उम्र के बाद भी उनकी सर्विस 31 अक्टूबर, 2026 तक के लिए बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में एडिशनल सेक्रेटरी अमरदीप सिंह भाटिया राजेश सिंह की जगह पर डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड के सचिव होंगे। पुण्य सलिला अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश कैडर के 1993 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। पुण्य सलिला 30 सितंबर को अपूर्वा चंद्रा के रिटायर होने के बाद स्वास्थ्य सचिव का पद संभालेंगी।

कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में तोड़फोड़ पर सुनवाई

हाईकोर्ट बोला, पुलिस अपनी सुरक्षा नहीं कर पा रही, डॉक्टर निडर होकर कैसे काम करें

■ संजीवनी टुडे

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में 14 अगस्त को हुई हिंसा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस टीएस शिवगनम ने राज्य सरकार और पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा- अस्पताल में तोड़फोड़ के लिए 7 हजार की भीड़ आई थी। पुलिस क्या कर रही थी इस पर पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से पेश हुए वकील ने कहा- हिंसा को काबू करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे गए। 15 पुलिसवाले भी घायल हुए थे। डीसीपी भी घायल हुए हैं। पुलिस की गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई थी। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा- ऐसे मामलों पर 144 लगाई जा सकती थी। 7000 लोग एकदम से नहीं आ सकते। साफतौर पर यह राज्य सरकार की नाकामी है। पुलिस अपने आप को नहीं बचा पा रही है। डॉक्टर्स को कैसे बचाएगी। रात में जब प्रदर्शन हो रहा था, तब एफ्र का भाषण था। अचानक रात में गुंडों ने डॉक्टरों के प्रदर्शन स्थल पर हमला कर दिया। फिर उन्होंने अस्पताल में तोड़फोड़ की। पुलिस प्रदर्शनकारियों के पीछे छिप गई। ये गुंडे तीसरी मंजिल (घटनास्थल) भी जाने वाले थे। उन्हें लगा कि घटनास्थल दूसरी मंजिल पर है।

उपद्रवियों ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों के बीच घुसकर हिंसा शुरू कर दी

इमरजेंसी वार्ड में हिंसक भीड़ ने रैक को फेंक दिया। वहां रखी दवाइयों को भी तोड़ दिया। 8-9 अगस्त की रात रेप और मारपीट के बाद ट्रेनी डॉक्टर की गला और मुंह दबाकर हत्या हुई थी। पुलिस ने ट्रेनी डॉक्टर के परिवार को 12 अगस्त को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सौंपी। जिसमें बर्बरता का खुलासा हुआ। मृत ट्रेनी डॉक्टर के प्राइवेट पार्ट्स पर गहरे घाव पाए गए। आरोपी ने डॉक्टर की चीख दबाने के लिए उनकी नाक, मुंह और गले को लगातार दबाया। गला घोंटने से थायराइड कार्टिलेज टूट गया। डॉक्टर के सिर को दीवार से सटा दिया गया था, जिससे वह चिल्ला न सके। पेट, होंठ, उंगलियों और बाएं पैर पर चोटें पाई गईं। फिर उन पर इतनी जोर से हमला किया कि चश्मा टूट गया और शीशे के टुकड़े उनकी आंखों में घुस गए। दोनों आंखों, मुंह और प्राइवेट पार्ट्स से खून बह रहा था। ऑल इंडिया गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के एडिशनल सेक्रेटरी डॉ. सुवर्ण गोस्वामी ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के हवाले से कहा कि ये रेप नहीं, गैंगरेप हो सकता है। उन्होंने बताया कि ट्रेनी डॉक्टर के प्राइवेट पार्ट से 151द्वद्द सीमन मिला है। इतनी ज्यादा मात्रा किसी एक शख्स की नहीं हो सकती है। ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के बाद पूरे देश में डॉक्टरों की हड़ताल और विरोध प्रदर्शन हो रहा है। 14 अगस्त को ऐसे ही एक प्रदर्शन में भीड़ हिंसक हो गई और अस्पताल में तोड़फोड़ कर दी। राज्य सरकार और विपक्ष एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। जिससे वो बच गया। राज्य मशीनरी पूरी तरह से नाकाम रही। पुलिस-प्रशासन आरजी कर हॉस्पिटल में घटनास्थल की सुरक्षा नहीं कर पा रहा है। ठीक है हम तुम्हारी बात मानते हैं। तुम्हें भी परेशान होना चाहिए!

राम रहीम की पेरोल पर उठे सवालः ज्ञानी रघबीर बोले

हरियाणा चुनाव में फायदे के लिए सरकार दे रही पैरोल, सिख धार्मिकों का उठाया मुद्दा

■ संजीवनी टुडे

अमृतसर। सिखों के सर्वोच्च स्थान श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख राम रहीम की फरलो पर सवाल उठाए हैं। जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने कहा कि रेपिस्टों को हरियाणा चुनाव के लिए पैरोल दी जा सकती है, लेकिन यह कैसा न्याय है जिसके कारण जेलों में बंद सिखों को रिहा नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिखों के साथ अन्याय हो रहा है कि धर्म की खातिर जेलों में बंद सिखों को रिहा नहीं किया जा रहा है। सिख 32 साल से जेल में बंद हैं। सजा पूरी करने के बाद भी उन्हें रिहाई नहीं मिल रही है।

उन्होंने देश के गृह मंत्री अमित शाह से भी पुनर्विचार करने को कहा। लेकिन अभी तक मामले लंबित हैं। बलवंत सिंह राजोआना की फांसी पर फैसला 12 साल से लंबित है। सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि अंतिम फैसला सरकार को लेना है। 12 साल से सरकार यह फैसला नहीं कर पाई है कि उसकी फांसी को उम्रकैद में बदला जाए या नहीं। ज्ञानी रघबीर सिंह ने कहा कि लुधियाना में रवनीत सिंह बिट्टू के हक में की गई रैली के दौरान अमित शाह ने कहा कि हम इनको कभी माफ नहीं करेंगे। इस तरह के बयान निंदा योग्य हैं। जबकि राम रहीम को सियासी फायदा लेने के लिए बार-बार पैरोल दी जाती है। ज्ञानी रघबीर सिंह ने बताया कि बंटवारे के दौरान भारत व पाकिस्तान में खुशी मनाई गई। लेकिन पंजाब में बंटवारे में लाखों की मौत हुई। एसजीपीसी की तरफ से हर साल 15 अगस्त 1947 को बंटवारे के समय मारे गए लोगों की आत्मिक शांति के लिए पाठ करवाया जाता है। लेकिन इन मारे गए लोगों को ना भारत और ना ही पाकिस्तानी की पार्लियामेंट याद करती है।

उद्धव बोले- चुनाव से पहले सीएम फ़ेस का ऐलान होः कहा

पवार साहब और कांग्रेस जिसका नाम तय करेंगे, उसका समर्थन करूंगा

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार (16 अगस्त) को कहा- चुनाव से पहले एख्र फ़ेस का ऐलान होना चाहिए। पवार साहब और कांग्रेस नेता पृथ्वीराज जिसे भी एख्र बनाएंगे, मैं उनका समर्थन करूंगा। मुंबई में महाविकास अघाड़ी की मीटिंग में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उद्धव ने कहा कि मैं अधिकतम विधायकों वाली पार्टी को मुख्यमंत्री पद मिलने के फॉर्मूले का समर्थन नहीं करता। महाराष्ट्र सरकार बहनों को 1500 रुपए देने का ऐलान कर रही है, लेकिन इनकी योजनाओं का प्रचार करने के लिए 10 हजार रुपए खर्च कर रही है। सरकार गिराने के लिए 50 खोखे और लड़की बहन को 1500 रुपए। दरअसल, महाराष्ट्र में अक्टूबर में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। इसे लेकर ही एमवीए की आज मीटिंग हुई। इसमें एण्ड शरद गुट के चीफ शरद पवार और कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण भी शामिल हुए थे। कोरोना दौर में हमने काफी काम किया, इसलिए मुस्लिम हमारे साथ आए। एनआरसी और सीएए के दौरान मुस्लिम के मन मे भय था।

कॉमन मैनिफ़ेस्टों पर काम जारी

7 अगस्त को एमवीए की बैठक हुई थी, जिसके बाद विजय वडेट्टीवार ने गठबंधन की आगे की योजना शेयर की थी। इस दौरान उन्होंने बताया कि एमवीए सहयोगी पार्टियों ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कॉमन मैनिफ़ेस्टो, फॉर्मूले और आगे की कार्ययोजना पर चर्चा की। पूर्व सीएम पृथ्वीराज चव्हाण की अगुआई में कॉमन मैनिफ़ेस्टो पर काम चल रहा है। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर शिवसेना (उद्धव गुट) के प्रमुख उद्धव ठाकरे 6 से 8 अगस्त तक दिल्ली दौरे पर थे। इस दौरान वे इंडिया ब्लॉक के नेताओं से मुलाकात की। लोकसभा चुनाव के बाद उद्धव का यह पहला दिल्ली दौरा था। हालांकि, पार्टी प्रवक्ता सांसद संजय राउत ने बताया कि यह संवाद दौरा था। लेकिन मैंने उस वक्त कहा था कि देश को जो प्रेम करेगा, उसे जाने नही दूंगा, इसलिए मुस्लिम साथ आए। मोदी नीतीश और चंद्रबाबू नायडू के साथ बैठते हैं तो क्या अब मान लिया जाए कि उन्होंने हिंदुत्व छोड़ दिया है। वक्फ बोर्ड ही नहीं, हिंदुओ के मंदिर के मामले में भी जेपीसी जांच होनी चाहिए।

खबरें फटाफट

रक्तवीर संगीता गौड़ जिला स्तर पर हुई सम्मानित

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़ (अलवर)। शुक्रवार को 78 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इंदिरा गांधी स्टेडियम अलवर मे आयोजित कार्यक्रम मे राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बालेटा की प्रधानाचार्य एवं हिंदुस्तान स्काउट गाइड राजस्थान जिला अलवर की जिला सचिव संगीता गौड़ को रक्तदान के क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य करने, 40 बार रक्तदान करने एवं 5003 लोगों को रक्त उपलब्ध करवाने एवं 7892 लोगों को मोटीवेट कर रक्तदान करवाने के लिये वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा, जिला कलेक्टर आशीष गुप्ता, अलवर पुलिस अधीक्षक आंनद शर्मा, नगर निगम मेयर घनश्याम गुर्जर द्वारा प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

राज. उ. प्राथमिक विद्यालय रामसिंहपुरा में हुआ बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण

■ संजीवनी टुडे

टहला । रामसिंहपुरा के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को डॉ.श्राफ चेरिटी आई हॉस्पिटल अलवर के तत्वाधान में विद्याज्योति विधालय नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत नेत्र स्वास्थ्य एवम नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। अध्यापक ब्रजमोहन मीना ने बताया कि अलवर से जांच टीम में डॉ.कुन्ती कासनवाल ने सभी बालकों की आंखों की जांच की।हेल्थ वर्कर राकेश,शिवचरण,दिलीप,नीतू ने सभी छात्र -छात्राओं को आंखो को बचाने के उपाय बताए। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक सरोज मीणा,अमरसिंह मीणा,रामनरेश गुर्जर,सीमा मीणा, विरेंद्र,कोमल मीणा सहित सभी स्टॉफ साथी उपस्थित रहे।

श्री जगन्नाथ मंदिर में 19 अगस्त तक होगा हिंडोला महोत्सव का आयोजन

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के चौपड़ बाजार स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में 78 वें स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर श्री जगन्नाथ जी महाराज और खाटू श्याम बाबा को आकर्षित तिरंगा मय झांकी के रूप में सजाया गया। मंदिर के महंत पंडित मदन मोहन शास्त्री व पंडित रोहित शर्मा ने बताया कि 15 अगस्त को भगवान जगन्नाथ जी महाराज और खाटू श्याम बाबा को आकर्षक तिरंगामय झांकी के रूप में सजाया गया। जहां सुबह से ही भक्तों ने मंदिर में आकर भगवान जगन्नाथ जी के तिरंगामय झांकी के दर्शन किए और मन्नत मांगी। महंत पंडित मदन मोहन शास्त्री ने बताया की चौपड़ बाजार स्थित श्री जगननाथ जी मंदिर में 16 अगस्त से 19 अगस्त तक चार दिवसीय हिंडोले महोत्सव का आयोजन होगा। मंदिर के महंत पूर्ण दास महाराज व पंडित रोहित शर्मा ने बताया की 16 अगस्त एकादशी शुक्रवार से 19 अगस्त सोमवार तक श्री जगन्नाथ मंदिर में हिंडोले महोत्सव के तहत अलग-अलग दिन अलग-अलग झांकी सजाई जायेगी। जहां भगवान को हिंडोल में झुलाया जायेगा।

राष्ट्रीय जन सेवा टीम का किया सम्मान

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़ । राष्ट्रीय जन सेवा टीम के उत्कृष्ट जनहितार्थ सेवा कार्यों एवं सामाजिक गतिविधियों लिए आज 78वे स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय जन सेवा टीम को उपखंड अधिकारी सुश्री सीमा खैतान व डीवाई एसपी मनीषा मीना राजगढ़ द्वारा टीम को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया उपखंड अधिकारी सुश्री सीमा खैतान टीम के कार्यो से प्रभावित होकर टीम के सम्मान में संबोधन करते हुए व्यक्तिगत रूप से टीम की सराहना की। राष्ट्रीय जन सेवा टीम के वरिष्ठ सदस्य रामसिंह बडला व हंसराज कांदोली ने बताया की राष्ट्रीय जन सेवा टीम मानवता सर्वोपरि की भावना के साथ जनहितार्थ सेवा विचार और कार्यों के प्रति वचनबद्ध है । सर्व समाज में पूर्ण सौहार्द के साथ गरीब असहाय व्यक्ति /परिवार, अनाथ बच्चे, एजुकेशन, चिकित्सा, स्पोर्ट्स के क्षेत्र में बेहद जरूरतमंद की मदद करना, गौ सेवा व बेजुबान पशु पक्षियों के लिए दाना पानी की व्यवस्था करना, पेड़ पोधे लगाना व प्रकृति संरक्षण के साथ साथ केंद्र एव राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का प्रसार करना और प्रशासन के साथ मिलकर राष्ट्र निर्माण कार्यो में योगदान करना, जनहित, देशहित में उत्कृष्ट सेवा कार्य करना ही राष्ट्रीय जन सेवा टीम का उद्देश्य व संकल्प है! राष्ट्रीय जन सेवा टीम पूर्णतया गैर राजनैतिक टीम है।

श्रावण के अंतिम दौर में शिवजी को रिझाने के लिए मंदिरों में बढ रही है श्रृदालूओं की भीड

■ संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा/सिरोही। सनातन संस्कृति में शिव पुजा के लिये पुरे श्रावण मास को श्रेष्ठ माना गया है, नगर के सभी शिवालयों में रोजाना भोलेनाथ भगवान को रिझाने पुजा अर्चना एवं बिल्व पत्र अर्पण के लिए भीड बढ रही है। जानकारी के अनुसार पिण्डवाडा शहर भर में तकरीबन डेढ दर्जन से अधिक शिव मंदिर स्थित है। और ऐसे कई मंदिर जहां आम तौर पर तीज त्यौहार विशेष पर ही मंदिरों में श्रृदालुओं की भीड देखी जाती है। मगर श्रावण के शुरू होने से लगाकर अंतिम दौर में नगर सहित आस-पास सभी शिवालयों में श्रृदालुओं की आवाजाही से रौनक बनी हुई है। इसी क्रम में अति प्राचीन बामनवाडजी तीर्थ मे स्थित श्री दुदेश्वर महादेव मंदिर मे पुरे श्रावण माह श्रृदालुओ की दर्शनाथ आवाजाही रहती है, तथा यहा शिवभक्तों द्वारा पुरे श्रावण माह नितरोज श्री दुदेश्वर महादेव की विशेष आंगी

एवं साज सजावट श्रृंगार किया जाता है जिससे दर्शन करके श्रृदालू मंत्र मुग्ध हो जाता है। इसी तरह शहर के समीपवर्ती वरली गांव में श्री गोपेश्वर महादेव,अरावली श्रखंला के मध्य स्थित विख्यात ढेकूनाथ महादेव व मालेरा में श्री रामेश्वर महादेव तीर्थ,अजारी स्थित अर्बुद पौराणिक धाम के रूप मे विख्यात मार्कण्डेश्वर महादेव मंदिर,कांटल ग्राम में चम्तकारिक श्री नीलकण्ठ महादेव मंदिर, तीर्थेश्वर महादेव मंदिरो मे अल सुबह से ही शिव भक्तो की भीड उमडती है। शहर के आमली रोड स्थित श्री नीलकण्ठ महादेव मंदिर में भी रौजाना पुजा अर्चना एवं जलाभिषेक करने श्रृदालुओं का मेला लगता है। यहां स्थापित मुख्य मंदिर में पुजारी विनोद भाई रावल द्वारा रौजाना अलग-अलग तरह से नीलकण्ठ भोलेनाथजी का विशेष श्रृंगार किया जाता है, दर्शनाथ आने वाले श्रृदालू भाव विभोर होकर रह जाते है। यहा श्रृदालुओं के जलाभिषेक पुजा अनुष्ठान के लिए मंदिर परिसर में ही एक और शिवलिंग स्थापित पुर्ववत स्थापित है। इसी तरह नगर के सरोवर तट स्थित श्री शान्तेश्वर महादेव मंदिर,मुख्य बाजार स्थित श्री शक्ति चौक शिवमंदिर, श्री काशीबाबा आश्रम शिवमंदिर, श्री रूदेश्वर महादेव सन्यास आश्रम,श्री द्वारकेश्वर महादेव एवं श्री सुर्य नारायण मंदिर परिसर में स्थापित प्राचीन शिवालय में भी रौजाना श्रृदालुओं की भारी भीड उमड रही है।

नर बाघ एसटी-2303 की सूचना व साक्ष्य मिलने पर तुरन्त सूचित करें

■ संजीवनी टुडे

अलवर। उप वन संरक्षक बाघ परियोजना सरिस्का राजेन्द्र कुमार हुड्डा ने बताया कि उप वन संरक्षक अलवर के अधीन राजस्व ग्राम दरबारपुर, अहीर भगोला तहसील मुण्डावर समीप गुरूवार को एसटी-2303 नर बाघ के विचरण का मूवमेंट रहा। उन्होंने बताया कि बाघ परियोजना सरिस्का व उप वन संरक्षक अलवर की 10 टीमें क्षेत्रीय वन अधिकायों के नेतृत्व में टाईगर को ट्रेक करने के अथक प्रयास किये जाकर घटना स्थल पर मौजूद है। इनमें प्रशासन केएडीएम/एसडीएम/उप पुलिस अधीक्षक व पुलिस जाप्ता मौजूद है तथा बाघ की सघन ट्रेकिग/मॉनिटरिंग कर लोकेलिस कर पशु चिकित्सक टीम तथा ट्रैक्यूलाइज टीम नर बाघ को रेस्क्यू कर टैक्यूलाइज करने के निरन्तर प्रयास जारी है। उन्होंने बताया कि बाघ एसटी-2303 के विचरण को दृष्टिगत रखते हुए आसपास के गांवों में चेतावनी/अपील जारी कर दी गई है। आमजन अपने-अपने घरों में रहे जिससे जनहानि होने की संभावना से बचा जा सके तथा ऐतिहात के तौर पर सावधानी बरते तथा बाघ संबंधित साक्ष्य/सूचना मिलने पर सहायक वन संरक्षक सरिस्का संतोष कुमार मो.नं. 9928641364 पर सूचित करें।

78 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर राज्य स्तर पर सम्मानित हुए सहायक कृषि अधिकारी पिंटू मीना पहाड़ी

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर जयपुर में राज्य स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।इस अवसर पर राजस्थान के विविध क्षेत्रों के प्रतिष्ठित लोगों को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर टोडाभीम के पहाड़ी गांव के पिंटू मीना पहाड़ी को भी कृषि क्षेत्र में किए जा रहे उनके शानदार कार्यों की बदौलत कृषि आयुक्तालय द्वारा सम्मानित किया गया।ज्ञातव्य है कि किसानों के लिए हमेशा समर्पित रहने वाले पिंटू मीना पहाड़ी वर्तमान में गंगापुर सिटी में सहायक कृषि अधिकारी के पद पर कार्यरत है।पिंटू मीना पहाड़ी सोशल मीडिया के माध्यम से किसानों को लाभान्वित करने के लिये विभागीय योजनाओं सहित कृषि की उन्नत तकनीकियों की जानकारी किसानों को प्रदान करते है वर्तमान में उनके साथ विभिन्न प्लेटफॉर्म पर 4 से 5 लाख लोग जुड़े हुए है। सोशल मीडिया के माध्यम से समय-समय पर जरूरतमंद लोगों की मदद भी करते रहते हैं,इसी वजह से पिंटू पहाड़ी ना केवल राजस्थान में बल्कि देश के कई राज्यो में किसानों के बीच काफी लोकप्रिय है। हाल ही में पिंटू मीना पहाड़ी को उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री द्वारा भी सम्मानित किया गया था।

पीएमश्री विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया 78 वां स्वतंत्रता दिवस

■ संजीवनी टुडे

भीनमाल। उपखंड मुख्यालय सहित क्षेत्र में 78 वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जुंजाणी के पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सरपंच वरधाराम चौधरी एवं प्राचार्य शांतिलाल जीनगर के मुख्य अतिथि में ध्वजारोहण के साथ ही स्वतंत्रता दिवस समारोह का शुभारंभ हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि ने परेड को सलामी दी। स्वतंत्रता दिवस समारोह पर छात्रों द्वारा भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। इस दौरान शांतिलाल जीनगर ने स्कूल के कार्यक्रमों व परीक्षा परिणाम से अवगत करवाया। वही अतिथियों के हाथों से विद्यालय की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। शांतिलाल जीनगर ने दसवीं एवं 12वीं बोर्ड में टॉपर रहे विद्यार्थियों का सिल्वर मेडल पहनाकर सम्मान किया एवं विभिन्न प्रतिभाओं को प्रसस्ति पत्र देकर

सम्मानित किया। कार्यक्रम में भामाशाहों ने बढ़ चढ़ कर सहयोग किया। इस दौरान विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन उप प्राचार्य राजेश कुमार व रेवतसिंह ने किया। कार्यक्रम में सरपंच वरदा राम चौधरी, पूर्व सरपंच भीमसिंह, रेवतसिंह, उप सरपंच धनाराम प्रजापत, आयुष चिकित्सक सांवलाराम, ग्राम विकास अधिकारी सांवलाराम सेन, पंचायत समिति सदस्य हिमताराम, भामाशाह दलाराम पुरोहित, कन्हैयालाल, समाजसेवी उत्तमसिंह, ओकेश बॉस, दीपक पुरोहित सहित विद्यालय स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं व ग्रामीण उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत सिलीसेढ पर आयोजित हुए आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम

लोक कलाकारों द्वारा कला प्रदर्शन कर आमजन को किया मंत्रामुग्ध

■ संजीवनी टुडे

अलवर। पर्यटन विभाग द्वारा जिला प्रशासन के निर्देशन में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित कराए जा रहे कार्यक्रमों के अन्तर्गत गुरूवार सिलीसेढ झील की पाल पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों आयोजित किए गए। पर्यटन विभाग की सहायक निदेशक टीना यादव ने बताया कि कार्यक्रम में अलवर के स्थानीय कलाकार यूसुफ मेवाती और ग्रुप ने रिमझिम बारिश की फुहारों के बीच भपंग वादन और लोकगीत प्रस्तुत किया। रूनझुन बरसे बरखा की फुहार, आयो आजादी को त्योहार गीत पर दर्शकों ने हल्की-हल्की तालियों के साथ संगत देकर कलाकारों का हौसला अफजाई भी कीस कोटा- बारां के कलाकार राजनन्दीनि कुमारी के ग्रुप ने

चकरी नृत्य प्रस्तुत किया। दिलावर खान व ग्रुप ने पधारो महारे देश गीत प्रस्तुत किया। बाड़मेर की कलाकार प्रियंका देवी ने घूमर नृत्य और लीला देवी ने कालबेलिया लोकनृत्य से कार्यक्रम में रंग जमायास सिलीसेढ की पाल पर आगंतुकों और पर्यटकों का स्वागत कच्ची घोड़ी नृत्य द्वारा किया। वहां लगे हर घर तिरंगा सेल्फी पॉइन्ट पर दर्शक तिरंगे लेकर फोटो खिंचते दिखे। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर काफी पर्यटक और शहरवासी भी सिलीसेढ घूमने आए हुए थे। कार्यक्रम के दौरान सभी को झंडे भी वितरित किए गए।इस दौरान यूआइटी सचिव सुश्री धीगदे स्नेहल नाना, उपखंड अधिकारी अलवर प्रतीक जुईकर, प्रशिक्षु आईएएस सुश्री सोनू कुमारी, पर्यटन अधिकारी संजय कुमार आदि उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस मनाया धूमधाम से

■ संजीवनी टुडे

सकट। राजगढ़ उपखंड के पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सकट में स्वतंत्रता दिवस बड़े ही धूमधाम साथ मनाया गया। जिसमें विद्यालय की बालिकाओं द्वारा राजस्थानी देश भक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए एवं इस सत्र के बालक-बालिकाओं को भारतीय सामग्री प्रबंधन संस्थान के अध्यक्ष ललित राज मीणा द्वारा प्रत्येक बालक बालिकाओं को 1100 सो रुपए नगद एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया । वहीं सत्र 2022-23 के बालक बालिकाओं को राजस्थान सरकार द्वारा पीसी टेबलेट दिए गए जिसमें मुस्कान मीना ,मीरा प्रजापत ,मोनिका सैनी, रेशमबाई सैनी ,मौसम मीणा, दिनेश सैनी ,इंद्रजीत मीणा आदि को दिये गये । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रामस्वरूप बाबूजी और ललित राज ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में हो रही जमीन आवंटन की देरी पर खेद व्यक्त किया एवं सरपंच प्रतिनिधि फूलचंद सैनी ने भी अपने विचार रखें कार्यक्रम खत्म होने के बाद एसडीएमसी की बैठक का आयोजन किया जिस पर विद्यालय विकास संबंधित चर्चा की गई इस अवसर पर प्रधानाचार्य अनिल कुमार शर्मा , ग्राम विकास अधिकारी ललित मीणा, डॉक्टर भीमसेन सैनी व्याख्याता दिनेश सैनी, गोपी किशन गुरुजी ,राधेश्याम मीणा ,राधाकिशन मीणा सहित अनेक गण मान्य लोग एवं विद्यालय स्टाफ एवं विद्यालय की बालिका बालिकाएं उपस्थित रहे। मंच का संचालन व्याख्याता राजेंद्र प्रसाद मीणा ने किया।

स्वतन्त्रता दिवस पर ध्वजारोहण एवं सम्मान समारोह का आयोजन

■ संजीवनी टुडे

राजगढ। स्थानीय राजकीय महाविद्यालय में 78 वें स्वतन्त्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान प्राचार्य डॉ. के. एल. मीना ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। प्राचार्य ने सभी को स्वन्त्रता दिवस की शुभकामनाएँ दी और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि 15 अगस्त 1947 वो दिन था जब भारत ने ब्रिटीश शासन से आजादी हासिल की। देश ने स्वतन्त्रता की नई सुबह देखी। ये दिन हमें हमारे वीर स्वतन्त्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। उन्ही की बदोलत हम आज एक आजाद देश में सांस ले पा रहे है। लेकिन आज भी हमारे सामने कई चुनौतियां सिर उठाये खडी है। गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता आदि इन्हे दूर करने के लिए हमे एक जुट होकर कार्य करना होगा। तो क्यों ना इस स्वतन्त्रता दिवस पर हम सभी यह संकल्प ले कि देश की प्रगति में अपना हर संभव योगदान देंगे। भारत को विश्वगुरु बनाने में योगदान करेगे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रथम बैच (1967) के पूर्व विद्यार्थी मोहन लाल मीना, रामकरण यादव, गिर्राज शरण बटवाडा एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों, श्रेष्ठ खिलाडियों तथा विभिन्न गतिविधियों में वर्षभर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कार्मिको को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने अपनी कविताओं, भाषणों के माध्यम से सभी को भाव-विभोर किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के संकाय सदस्य, छात्र-छात्राऐं एवं गणमान्य नागरीक उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन पूरनमल मीना ने किया।

जिला कलक्टर ने संवेदनशील रहकर परिवेदनाओं के त्वरित समाधान करने के दिए निर्देश

■ संजीवनी टुडे

अलवर। त्रि-स्तरीय जनसुनवाई व्यवस्था के तहत जिला कलक्टर आशीष गुप्ता की अध्यक्षता में शुक्रवार को मिनी सचिवालय सभागार में जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनसुनवाई में आए प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें। जनसुनवाई के दौरान फरियादी को ससम्मान कुर्सी पर बैठाकर जिला कलक्टर ने उनकी परिवेदनाओं को सुना। जनसुनवाई में फरियादियों के लिए बैठने, पानी आदि की पर्याप्त व्यवस्था की गई। जनसुनवाई में सभी उपखण्ड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुडे। जिला कलक्टर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये। जिला कलक्टर के समक्ष जिलेभर से आए 75 फरियादियों ने अपनी परिवेदना प्रस्तुत की जिनमें मुख्य रूप से यूआईटी, विद्युत, राजस्व, नगर निगम, जलदाय, पुलिस, पंचायतीराज, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, श्रम विभाग, रसद विभाग आदि की परिवेदनाएं प्रस्तुत की गई जिनमें अलवर शहर के कबीर कॉलोनी में पेयजल आपूर्ति कराने एवं लक्ष्मणगढ के ग्राम दीनार में पेयजल निराकरण, कालाकुआं हाउसिंग बोर्ड की

फरियादी द्वारा विद्युत कनेक्शन कराने व समस्या कालाकुआं हाउसिंग बोर्ड में ही ट्रांसफार्मर के चारों तरफ लगी सुरक्षा जाली को दुरूस्त कराने, ग्राम बूटियाणा के फरियादी द्वारा विद्युत उपभोग से अधिक बिल आने, नौगांवा के ग्राम शेरपुर में घरों के ऊपर से 11 हजार वॉट की विद्युत लाइन हटवाने, शहर के स्कीम नं. 4 फूटीखेल में पार्क से अतिक्रमण हटवाने, मुंगस्का के फरियादियों द्वारा अवाप्त भूमि का कब्जा दिलाने, गणपति विहार, लक्ष्मणगढ के ग्राम कुपर व कठूमर के ग्राम सामोली में रास्ते से अतिक्रमण हटवाने, ग्राम चांदोली के फरियादी ने सुरंग के पास अवैध प्लॉटिंग व अतिक्रमण को रोकने, ग्राम जमालपुर के राजकीय विद्यालय से अतिक्रमण हटवाने, खुदनपुरी के फरियादी ने पट्टे की त्रुटि को शुद्धि कराने की परिवेदना प्रस्तुत की गई जिस पर जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों, उपखण्ड अधिकारी व तहसीलदार को निर्देशित किया कि परिवेदनाओं को समयबद्ध व गुणवत्ता के साथ निस्तारण करें। इसी प्रकार शहर में दिल्ली दरवाजा के मौहल्ला खास में सडक बनवाने, ग्राम धीवरबास में स्कूल के रास्ते में सडक बनवाने, नयाबास की फरियादी द्वारा वृद्धावस्था पेंशन दिलवाने, राजगढ के कुण्ड मौहल्ला के दिव्यांग फरियादी द्वारा स्कूटी उपलब्ध कराने, कालाकुआ में नियत स्थान पर सब्जीमण्डी को चालू कराने, शहर के हरिजन बस्ती की फरियादी ने मकान निर्माण हेतु सहायता राशि दिलवाने आदि की परिवेदनाएं प्रस्तुत की गई जिस जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जनसुनवाई में आई सभी परिवेदनाओं का समयबद्ध निस्तारण कर फरियादियों को सूचित करें। इस दौरान पुलिस अधीक्षक आनन्द शर्मा, एडीएम प्रथम वीरेन्द्र वर्मा, एडीएम द्वितीय युआईटी की सचिव सुश्री धीगदे स्नेहल नाना, परसराम मीणा, एडीएम शहर बीना महावर, यनगर निगम के आयुक्त बजरंग सिंह, जिला रसद अधिकारी मानसिंह मीना, सहायक कलक्टर नवज्योति कांवरिया, यूआईटी के विशेषाधिकारी संजय गोयल, पीएचईडी के अधीक्षण अभियन्ता सुनील गर्ग, जयपुर डिस्कॉम के अधीक्षण अभियन्ता सुधीर पाण्डे, सीएमएचओ डॉ.योगेन्द्र शर्मा, पीएमओ डॉ. सुनील चौहान सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बच्चों को संस्कारित शिक्षा देकर अच्छे संस्कार व देश प्रेम की भावना जागृत करें शिक्षकः राजेश शर्मा

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के कारोठ मार्ग पर स्थित भारतीय विद्या पीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन भारत विकास परिषद के तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर एवं माल्यार्पण कर किया गया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने अपने कक्षा अध्यापकों के तिलक लगाकर, पुष्प भेंट कर कर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा ठेकेदार ने कहा कि विद्यार्थियों को संस्कारवान होना चाहिए। आज हमें हमारी सनातन संस्कृति को पहचाना होगा तथा हमारी संस्कृति के अनुसार ही हमें अपने माता-पिता व गुरूजनों का सम्मान करना होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षक बच्चों में संस्कारित शिक्षा देकर देश प्रेम की भावना जागृत करें।कार्यक्रम में भारत विकास परिषद की ब्लॉक अध्यक्ष पदमा गोयल ने विद्यार्थियों को संस्कारवान व चरित्रवान बनने तथा अपने गुरु व माता-पिता के बताएं रास्ते पर चलने की बात गई। कार्यक्रम में विद्यालय के संस्थाप्रधान दिनेश सैन, भारत विकास परिषद के लोकेश रावत, रश्मि विजय, संगीता विजय,पूर्णिमा सैन, रिंकू सैनी, रामबाबू सैन, संतोष शर्मा सहित अनेक शिक्षक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विभीषिका दिवस पर जूली का बड़ा बयान बोले ये केवल राजनीतिक स्टंट, इसका उद्देश्य केवल विभाजन करना है

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने विभाजन विभीषिका दिवस को राजनीतिक स्टंट करार देते हुए कहा कि इसका उद्देश्य केवल विभाजन करना है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस को नसीहत देते हुए कहा कि संविधान के साथ छेड़छाड़ करने की चेष्टा करने वाले अपने सामने दर्पण रखे तब विभाजन जैसे शब्द इनके मुख से अच्छे लगेंगे। उन्होंने कहा कि देश के शासक विभाजनकारी सोच को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने केंद्र पर नफरत की राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी मंशा केवल नफरत और घृणा फैलाने की है। उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि क्रांतिवीरों के दिखाएं मार्ग पर चलने के बजाय ये अपने विचारों को थोप कर देश में भाईचारा खत्म करने का काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन में अपनी उंगली तक का नाखून जिन्होंने नहीं कटाया वह बलिदान का कोरा ढिंढोरा पीट रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनेकता में एकता हमारी ताकत की धार को कुंद कर नफरत की राजनीति फैलाकर देश में अराजकता का

माहौल पनपाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश हुकूमत जैसी फूट डालो राज करो की नीति को बढ़ावा देकर संविधान के साथ खिलवाड़ करने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन संविधान की रक्षा के लिए हम बलिदान देने को तैयार है, देश का प्रत्येक नागरिक जाति धर्म से ऊपर उठकर सबसे पहले भारतीय है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने में विफल रहने वाले देश के प्रधानमंत्री देश की राजधानी दिल्ली के लाल किले से संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर का अपमान कर रहे है। उन्होंने कहा कि अंबेडकर हिंदू पर्सनल लॉ में जिन सुधारों के पैरोकार थे, उनका आरएसएस और भारतीय जनसंघ ने विरोध किया था। पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि आजादी के बाद से अब तक देश में सांप्रदायिक नागरिक संहिता है इसके साथ उन्होंने धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता की पैरवी भी की। उन्होंने कहा कि यह कहना कि हमारे पास अब तक सांप्रदायिक नागरिक संहिता है, यह संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर का अपमान है। उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को दिल्ली में आयोजित स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में पांचवी पंक्ति में बैठाने पर भी केंद्र सरकार पर संकीर्ण मानसिकता और ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और लोकतांत्रिक परंपराओं को दरकिनार कर स्वतंत्रता दिवस पर नेता प्रतिपक्ष का अपमान किया गया।

जय हिंद डिस्ट्रीब्यूटर्स जयपुर के तत्वाधान में सीबीसी मशीन की दान

■ संजीवनी टुडे

टहला। स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य पर मेडिफ्लिक्स बायोमेडिकल प्राईवेट लिमिटेड जय हिन्द डिस्ट्रीब्यूटर्स जयपुर तत्वाधान में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र टहला, अलवर में सीबीसी मशीन 3 पार्ट दान की गई। जिसमें मेडिफ्लिक्स बायोमेडिकल प्राईवेट लिमिटेड जय हिन्द डिस्ट्रीब्यूटर्स जयपुर की ओर से पवन कटारा, नरेश रोहिला, रोहिताश सैनी और सामु स्वा केन्द्र टहला की और से डॉ उमराव सिंह मीना, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी प्रभारी, डॉ विनयराज, भागीरथ शर्मा एन.ओ पप्पूराम कोली टी.ए एवं महेन्द्र कुमार जैमन डीओ आदी, मौजूद रहे। डॉ उमराव सिंह मीना द्वारा सीबीसी 3 पार्ट मशीन दान करने पर मेडिफ्लिक्स बायोमेडिकल प्राईवेट लिमिटेड जय हिन्द डिस्ट्रीब्यूटर्स जयपुर का आभार प्रकट किया गया।

आईआईएस ने हर्षोल्लास से मनाया 78वां स्वतंत्रता दिवस

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। शिप्रापथ, मानसरोवर स्थित आईआईएस ने स्कूल परिसर में 78वां स्वतंत्रता दिवस बड़े धूमधाम से मनाया। ध्वजारोहण कार्यवाहक प्रधानाचार्या निधि मिश्रा ने किया। उन्होंने स्वतंत्रता के महत्व का जिक्र करते हुए छात्रों को एकता, अखंडता, और राष्ट्र के प्रति समर्पण मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर देशभक्ति, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रेरणादायक संदेशों का सुंदर मिश्रण देखने को मिला। निदेशक डॉ. अशोक गुप्ता और प्रधानाचार्या माला अग्निहोत्री ने शुभकामनाएं प्रेषित की। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर जी का संदेश पढ़कर सुनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के उपप्राचार्या समेत अनेक विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

नर्सिंग ऑफिसर ममता देवी आर्य सम्मानित

संजीवनी टुडे

जयपुर। एसएमएस हॉस्पिटल की नर्सिंग ऑफिसर ममता देवी आर्य को उनके उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान 78वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर निदेशालय चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएं, राजस्थान सरकार की ओर से प्रदान किया गया।

बच्चों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। पंचायत समिति के समीपवर्ती सुरेर गांव में स्थित टी आर पब्लिक स्कूल में गुरुवार को स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा झंडारोहण व मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा एक से बढ़कर एक रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित अभिभावकों व आमजन को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। बच्चों ने देशभक्ति गीत गाकर सबको भावभिवोर कर दिया। विद्यालय की संस्थाप्रधान पूजा राजपूत ने बताया कि इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि कैप्टन जगदीश सिंह नरूका, रामकेश मीना, भरतलाल मीना, मुकेश कुमार कोली, आशीष मीना, कैलाशचंद मीना, बंशीराम मीना आदि मौजूद रहे।

जी.एस. पब्लिक स्कूल में धूमधाम से स्वतंत्रता दिवस समारोह

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के गोठ की चौकी में स्थित जी.एस. पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य अतिथि सरपंच प्रतिनिधि जगदीश सिंह व थाना राजाजी के पूर्व सरपंच नन्दलाल और रामकिशन (समूह अनुदेशक) मौजूद रहें। इस मौके विधालय निदेशक महेंन्द मीना, रत्तीराम, वंशिका,कमलेश, दुर्गा, हिमानी, सलोनी, भूपेश, नन्दकिशोर, मुकेश पण्डा सहित छात्र छात्राएं उपस्थित

शिक्षा व साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए डॉ. कांता मीना जिला स्तर पर हुई सम्मानित

संजीवनी टुडे

बीकानेर। 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बीकानेर नगर निगम द्वारा विभिन्न श्रेणियों में विभूतियों का जिला स्तर पर सम्मान किया गया। शिक्षा व साहित्य की श्रेणी में उल्लेखनीय कार्यों के लिए शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डॉ.कांता मीना का नगर निगम आयुक्त आरएएस अर्पिता सोनी,महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित,उप महापौर राजेंद्र पंवार व पार्षद सुमन छाजेड़ द्वारा साफा पहनाकर व प्रशस्ति पत्र प्रदान करके जिला स्तर पर सम्मानित किया गया । डॉ.मीना 77वें स्वतंत्रता दिवस पर नगर निगम सहित अनेक सामाजिक संस्थाओ से सम्मानित हो चुकी है व इनका लेखन कार्य अनवरत जारी है।

मौसम पूर्वानुमान में सुधार के लिए रिलायंस फाउंडेशन और आईएमडी ने किया एमओयू

संजीवनी टु डे

नई दिल्ली। रिलायंस फाउंडेशन और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने एक महत्वपूर्ण एमओयू किया है, जो जलवायु-प्रभावित समुदायों को बेहतर मौसम जानकारी और सहायता प्रदान करेगा। आईएमडी के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र और रिलायंस फाउंडेशन के सीईओ जगन्नाथ कुमार ने नई दिल्ली में इस एमओयू पर पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन और मौसम से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने के लिए समुदायों को तैयार करना है। इसके तहत, मौसम पूर्वानुमान और प्रारंभिक चेतावनी सेवाओं को मजबूत करने के लिए अनुसंधान किया जाएगा और विभिन्न विशेषज्ञों के साथ मिलकर चर्चा की जाएगी। इस प्रयास से मौसम के बदलावों के प्रति लोगों की सहनशीलता बढ़ेगी।

समर्पण संस्था द्वारा 78 वें स्वतंत्रता दिवस पर स्वतंत्रता दिवस समारोह व राष्ट्र निर्माण में कौशल विकास का महत्व विषयक सेमिनार आयोजित

संजीवनी टुडे

देश की वृद्धि व समृद्धि के लिए ज़रूरी है कौशल विकासः डॉ. बोहरा

जयपुर। कौशल विकास देश की वृद्धि व समृद्धि के लिए बहुत ज़रूरी है ।सरकार इसके लिए प्रमुखता से काम कर रही हैं ।ग़ैर सरकारी संगठनों को भी इसके लिए अधिक काम करने की जरूरत है उक्त विचार आज 78 वें स्वतंत्रता दिवस पर समर्पण संस्था की ओर से समर्पण आश्रय केयर भवन, साँभरिया रोड़, जयपुर में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह व ''राष्ट्र निर्माण में कौशल विकास का महत्व विषयक सेमिनार में मुख्य अतिथि आईएएस डॉ. टीकम चन्द बोहरा 'अनजाना' ने व्यक्त किये । उन्होंने कहा कि समर्पण संस्था ज़रूरतमंदों की सेवा के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है ।यह आनन्द का मार्ग है । इससे पूर्व समर्पण आश्रय केयर भवन प्रांगण में मुख्य अतिथि आईएएस डॉ. टीकम चन्द बोहरा 'अनजाना' ने अन्य अतिथि व संस्था पदाधिकारियों के साथ ध्वजारोहण किया । तत्पश्चात सेमिनार की शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ समर्पण प्रार्थना से की गई जिसे कोषाध्यक्ष राम अवतार नागरवाल व सुश्री सुवज्ञा माल्या ने प्रस्तुत किया। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने स्वागत भाषण में संस्था के सिद्धांत, विचारधारा व कार्यक्रमों की विस्तृत व्याख्या करते हुए विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम में संस्था की डॉक्यूमेंटरी के साथ संस्था द्वारा इस वर्ष में अब तक आयोजित किये गये कार्यक्रमों की झलकियां वीडियो के माध्यम से प्रदर्शित की गई । विशिष्ट अतिथि व्यवसायी बलराम चौधरी ने कहा कि श्रमिकों व तकनीकी कामगारों के लिए कौशल ट्रेनिंग कार्यक्रम अधिक से अधिक होने चाहिये । देश कौशल विकास से ही सशक्त बन सकता है । विशिष्ट अतिथि बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सेवानिवृत्त महाप्रबंधक पियुष नाग ने कहा कि कौशल विकास के लिए बैंक व अन्य कम्पनियों में प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जाते हैं । जिसका लाभ अधिक से अधिक लोगों लेना चाहिए । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. बी. एल. जाटावत ने कहा कि हर व्यक्ति में कौशल विद्यामान होता है लेकिन उसके लिए विधिवत प्रशिक्षण व विकास की आवश्यकता होती है । सामाजिक संस्थाओं को इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी । सेमिनार में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। मंच संचालन मनीष विजयवर्गीय ने किया ।

भाजपा मंडल झाडोली ने पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की पुण्यतिथि मनाई

संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा/सिरोही भारतीय जनता पार्टी झाडोली मंडल ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न प्रखर राष्ट्र भक्त अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि मनाई म जानकारी के अनुसार भाजपा झाडोली ग्रामीण मंडल द्वारा मंडल अध्यक्ष कालूराम माली के नेतृत्व में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई म मंडल अध्यक्ष माली ने सभी पदाधिकारी को अटल बिहारी वाजपेयी जी के पद चिन्ह पर चलने की बात कीम इस अवसर पर हिम्मत राम नांदिया, शिवलाल गहलोत,जितेंद्र देवासी, कालूराम सेन,करण सिंह भाटी, विष्णु रावल, मुकेश रावल, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष शांतिलाल रावल, अर्जुन राम गरासिया, एस टी मोर्चा मंडल अध्यक्ष मंसाराम मीणा, पुखराज मीणा,दिग्विजय सिंह, कुणाल गहलोत संहित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बांग्लादेश में हिन्दू समाज के साथ हो रहे निर्मम अत्याचारों के विरूद्ध आक्रोश रैली का आयोजन हुआ

संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा/सिरोही। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्ता पलट के बाद उत्पन्न अराजक वातावरण में बांग्लादेशी कठरपंथियों द्वारा हिन्दू स्त्री, पुरूषो व मासुम बच्चों पर निरन्तर अमानवीय अत्याचारों की श्रृंखला शुरू हुई है। ऐसे मध्ययुगीन निर्मम अत्याचारों एवं शोषण के विडियों और फोटो सोशल मिडिया के माध्यम से रौजाना देखे जा रहे है। जिससे सम्पुर्ण हिन्दू समाज में रोष व्याप्त है। इसी सन्दर्भ में शुक्रवार को आधे दिवस शहर पुर्णतया बंदकर आक्रोश रैली जुलुस का आयोजन कर प्रधानमंत्री के नाम उप कलेक्टर रवि प्रकाश को ज्ञापन सौपा गया।जानकारी के अनुसार पिण्डवाडा विश्व हिन्दू परिषद,बजरंग दल,भाजपा, व्यापार मंडल सहित विविध हिन्दू संगठनों द्वारा पुर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को आधा दिवस पिण्डवाडा बंद का आहृवान करके बाजार से आक्रोश रैली जुलुस का आयोजन कियाम जो आक्रोश रैली सदर बाजार स्थित श्री शक्ति माता मंदिर प्रांगण से पुरोहित भवन, उदयपुर रोड,बिग बाजार स्थित दिव्या स्टुडियो के बाहर से होते हुए, आजाद चौक, हनुमान जी मंदिर गली,रावल गली, घांचीवाडा, मंगल कलश चौराहा, सुखाडिया सर्कल,ओवर ब्रिज से गुजरते हुए उपजिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जोरदार नारेबाजी प्रर्दशन करके आक्रोश व्यक्त किया, तत्पश्चात उपखंड अधिकारी रवि प्रकाश को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौप कर हिन्दू समाज के सुरक्षा की मांग की है। ज्ञापन में बताया कि बांग्लादेश में हिंदू समाज एवं अन्य अल्प संख्यक अपने जीवन जीने के अधिकारों,अपने अस्तित्व एवम् अस्मिता को बचाने के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। इस परिस्थिति में हिंदू समाज की सुरक्षा के लिए सब प्रकार का सहयोग करना यह भारत सरकार का उत्तरदायित्व है। हिंदू समाज इस ज्ञापन न के माध्यम से सरकार से निवेदन करता है कि बांग्लादेश में रह रहे हिंदू समाज की जान माल संपति, परिवार पुजा स्थलों की सुरक्षा की पूर्ण व्यवस्था भारत सरकार अपने प्रभाव एवं ताकत का उपयोग शीघ्र करें। इस दौरान यातायात व्यवस्था एवं सुरक्षा को लेकर पुलिस ने माकुल बन्दोबस्त थे।

अवैध मादक पदार्थ के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

धनाऊ। बाड़मेर जिले की धनाऊ पुलिस ने मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 15.40 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की है। वहीं मादक पदार्थ परिवहन में बोलेरो गाड़ी को भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार चैकिंग के दौरान भोजावास गांव में एक संदिग्ध गाड़ी को रुकवाई गई। बोलेरो गाड़ी में के ड्राइवर पदमाराम से पूछताछ की गई तो संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर गाड़ी की तलाशी ली गई है। साथ ही गाड़ी में दोनों व्यक्तियों की तलाशी लेने पर पदमाराम पुत्र फुसाराम निवासी टांका स्टेशल आलमसर धनाऊ के कब्जे से 15 ग्राम 40 मिलीग्राम अवैध स्मैक बरामद की। वहीं उसके सहयोगी कुंपाराम पुत्र छगनाराम निवासी आलमसर सहित दोनों को डिटेन कर थाने लाया गया। वहीं बोलेरो गाड़ी को जब्त किया गया। धनाऊ थानाधिकारी गोविंदराम ने बताया- आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। पदमाराम और कुंपाराम दोनों को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। आरोपी से मादक पदार्थ कहां से लेकर आया और किसको बेचने वाला था इसको लेकर पूछताछ की जा रही है। कार्रवाई में हेड कांस्टेबल श्रीराम, कांस्टेबल जेसाराम, चुतराराम, बाबुलाल, सवाईराम, किशनाराम, प्रेमाराम, जेठाराम और गोपाल जाणी शामिल रहे।

भाजपा मंडल ने स्व.अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि मनाई

संजीवनी टु डे

पिंण्डवाड़ा/सिरोही। भारतीय जनता पार्टी पिंण्डवाड़ा मंडल ने शुक्रवार को भाजपा कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व.अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्य तिथि मनाई।

सोशल मीडिया ज़िला सदस्य कल्पेश सोनी ने बताया कि पिंण्डवाड़ा भाजपा मुख्यालय पर स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर भाजपा के पदाधिकारी एवम् कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की।भाजपा पिंण्डवाड़ा मंडल अध्यक्ष संतोष गहलोत ने कहा कि अटल जी के योगदान को हर भारतीय सदैव याद रखेगा। उनके द्वारा कहे शब्दों कोष में सत्ता का खेल तो चलेगा। सरकारें आएंगी भी जाएगी भी, पार्टियां बनेगी बिगड़ेगी मगर यह देश रहना चाहिए। देश का लोकतंत्र अमर रहना चाहिए यह पंक्तियां भारत देश हमेशा याद रखेगा। पार्षद लतीफ़ ख़ान ने कहा कि जीवन भर राष्ट्र को समर्पित रहने वाले ऐसे महापुरुष के आदर्शों से प्रेरित होकर समाज के लिए कार्य करना सौभाग्य की बात है।

पार्षद शंकर भाटी ने बताया कि समुद्र की तरह व्यापक मन वाले अटल बिहारी वाजपेयी अमूल्य कार्यों के माध्यम से जो देश की सेवा कर गए, उनके योगदान को हर भारतीय सदैव याद रखेगा। इस अवसर पर महामंत्री तगाराम परमार,महामंत्री त्रिलोक प्रजापत, उपाध्यक्ष कमलेश राजपुरोहित,मंत्री सुशील प्रजापत,नूरल हयात,पुर्व पालिका अध्यक्ष भँवर पटेल, पार्षद शंकर भाटी,एस सी मोर्चा अध्यक्ष रमेश गवारिया,मंत्री जितेंद्र पुरोहित आदि मौजूद रहे।

पाण्डुपोल मंदिर, बालाकिला, सिलीसेढ, प्रतापबंध के लिए आवागमन 17 से 19 अगस्त तक के लिए बन्द

संजीवनी टुडे

अलवर(राजकुमार गुप्ता)। भारी वर्षा के अलर्ट के मद्देनजर बाघ परियोजना सरिस्का में स्थित पाण्डुपोल मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं एवं रेंज अलवर बफर अन्तर्गत बालाकिला, सिलीसेढ, प्रतापबंध जाने वाले पर्यटकों के आवागमन को 17 अगस्त से 19 अगस्त तक के लिए बन्द किया गया है। उप वन संरक्षक बाघ परियोजना राजेन्द्र कुमार हुड्डा ने बताया कि पाण्डुपोल हनुमान मंदिर जाने वाला रास्ता विगत दिनों व वर्तमान में जारी भारी वर्षा के कारण जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो गया है, रास्तों में कई स्थानों पर पेड भी गिर गए हैं तथा रास्ते में आने वाले नदी-नालों में पानी का अत्यधिक प्रवाह होने से पाण्डुपोल जाने वाला रास्ता खराब हो गया है जिससे श्रद्धालुओं के वाहनों के फंसने व पानी के बहाव से बहने की आशंका है। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं व पर्यटकों के साथ किसी भी प्रकार अप्रिय घटना नहीं होवे इसके लिए आवागमन को बंद किया गया। उन्होंने आमजन एवं अभिभावकों से अपील की है कि पाण्डुपोल मंदिर एवं बालाकिला, सिलीसेढ, प्रतापबंध नहीं जाए तथा स्वयं एवं अपने परिवारजनों को इन स्थानों पर जाने से मना करें।

स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया

संजीवनी टु डे

पिण्डवाडा/सिरोही। 78 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में हर्षोल्लास पुर्वक मनाया गया। सार्वजनिक समारोह में राष्ट्रीय ध्वज को फहराया गया व सलामी दी गई। वही इस अवसर पर विविध सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं से जुडे लोगो के उनके द्वारा विविध क्षैत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यो के सम्मानित भी किया गया। जानकारी के अनुसार शहर में स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में हर्षोल्लास पुर्वक आयोजित सार्वजनिक स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपखण्ड अधिकारी रवि प्रकाश,पालिका अध्यक्ष सुरेन्द्र मेवाडा एवं प्रधान नित्तिन बंसल व पुलिस उपअधीक्षक भवरलाल चौधरी के आतिथ्य में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, तत्पश्चात परेड सलामी के पश्चात उपखण्ड अधिकारी रवि प्रकाश द्वारा राष्ट्र संबोधन दिया गया। तत्पश्चात विविध विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा आजादी के पावन पर्व पर देश भक्ति से ओत-प्रोत नृत्य गान व नाटक प्रस्तुति के द्वारा हरित क्रान्ति के तहत हरा भरा राजस्थान बनाने, स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता अपनाने का संदेश दिया गया। विशिष्ठ अतिथी के रूप में तहसीलदार मोहनलाल, विकास अधिकारी महीप सिंह,पिण्डवाडा थानाधिकारी हमीर सिंह भाटी, सरुपगंज थाना अधिकारी कमल सिंह,सीबीबीओं सुरेश प्रजापत, प्रधानाचार्य मनोहरलाल,प्रधानाचार्य रमेश दहिया,पालिका उपाध्यक्ष चेलाराम देवासी उपखंड अधिकारी निजी सहायक सुरेंद्र कुमार,वन विभाग के वीरेंद्र कुमार,सुरेश कुमार, मनीष, सोहनलाल, सहित जन प्रतिनिधिगण,समाजसेवीयो एवं गणमान्य लोगो ने शिरकत की।

चांदेरा पंचायत के राजकीय विद्यालय में भामाशाहों ने लगवाए सीसीटीवी कैमरे और वाटर कूलर

संजीवनी टु डे

बसवा(दौसा)। 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चांदेरा में ग्राम पंचायत चांदेरा के गणमान्य नागरिक तथा सर्व समाज नवयुवक हेल्प टीम के वरिष्ठ सदस्य समाजसेवी महेश कुमार बैरवा प्रॉजेक्ट मेनेजर सुपुत्र स्व. श्री रामसिंह बैरवा चांदेरा ने ठंडे पानी हेतु वाटर कूलर लगवाया तथा समाजसेवी दुलाराम रेहड़िया दिल्ली पुलिस, विष्णु शर्मा चांदेरा टीम उपाध्यक्ष, लालाराम बैरवा लक्ष्मी गारमेंट्स गुढ़ा कटला, हेमराज गुर्जर चांदेरा समाजसेवी, राकेश बराणा चांदेरा, हरज्ञान गुर्जर रेलवे चांदेरा, विश्राम गुर्जर चांदेरा ने सीसीटीवी कैमरे लगवाए। सुखदेवा मास्टर करनावर और नरसी रेलवे जगसोली ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे और वाटर कूलर के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि समाजसेवी भवानी सिंह माल, मनसुख गुर्जर सरपंच, टुंडाराम मीना पंचायत समिति सदस्य, मातादीन मीना प्रधानाचार्य, रूपवती मैडम, पिंटू कुमार अध्यक्ष पीएचईडी, रत्तीराम धपावन, मुकेश तलाई,घनश्याम एनजीओ,नरेंद्र वार्ड पंच, मांगीलाल बैरवा,प्यारेलाल बैरवा, नरेश गुर्जर, टेकाराम गुर्जर, रामेश्वर गुर्जर, उम्मेद गुर्जर, हीरालाल बड़ा गुवाड़ा, शंकर शर्मा,बाबूलाल गुर्जर, मुंशी टी स्टॉल, उम्मेद बैरवा, पप्पूराम बैरवा आदि गणमान्य नागरिक, नवयुवक हेल्प टीम सदस्य, विद्यालय स्टॉफ व विद्यार्थी तथा ग्रामवासी उपस्थित रहें।

राजकीय सेवा में उल्लेखनीय कार्यों के लिए मोहर सिंह सलावद जिला स्तर पर सम्मानित

संजीवनी टुडे

बीकानेर। 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बीकानेर नगर निगम द्वारा विभिन्न श्रेणियों में विभूतियों का जिला स्तर पर सम्मान किया गया। राजकीय सेवा में उल्लेखनीय कार्यों के लिए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोतीगढ़ के वरिष्ट अध्यापक मोहर सिंह मीना सलावद का नगर निगम आयुक्त आरएएस अर्पिता सोनी,महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित,उप महापौर राजेंद्र पंवार व पार्षद सुमन छाजेड़ द्वारा साफा पहनाकर व प्रशस्ति पत्र देकर जिला स्तर पर सम्मानित किया। सलावद राजकीय सेवा व शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार से दो बार ब्लॉक स्तरीय व दो बार जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान, दो बार उपखंड अधिकारी पूगल व एक बार उपखंड अधिकारी छतरगढ़ सहित नगर निगम बीकानेर से जिला स्तर सहित जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा अनेक बार जिला स्तर पर सम्मानित हों चुके है।

झुंझुनूं डाइट में कार्यरत व्याख्याता को एपीओ करने के आदेश पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

संजीवनी टुडे

जयपुर। झुंझुनूं के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में कार्यरत एक स्कूल व्याख्याता को एपीओ करने के आदेश पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है साथ ही स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव, निदेशक सहित एक अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कुहाड़वास निवासी परमेंद्र कुल्हार ने अधिवक्ता संदीप कलवानिया के जरिए दायर की गई याचिका में बताया कि प्रार्थी जिला डाइट में व्याख्याता के पद पर कार्यरत है। माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक ने 5 अगस्त को आदेश जारी कर प्रार्थी को नियम विरुद्ध एपीओ कर दिया और अग्रिम उपस्थिति शिक्षा निदेशालय बीकानेर में देने के निर्देश दिए। अधिवक्ता कलवानिया ने याचिका में बताया कि शिक्षा निदेशक ने प्रार्थी को गलत तथ्यों के आधार पर एक पक्षीय कार्रवाई कर नियम विरुद्ध एपीओ किया है। जबकि राजस्थान सेवा नियमों में कर्मचारी एपीओ करने के प्रावधान तय किए हुए। इसके विपरीत जाकर प्रार्थी को एपीओ किया गया है। इसलिए प्रार्थी ने याचिका दायर कर एपीओ आदेश पर रोक लगाने की गुहार लगाई थी। इस पर न्यायालय ने प्रार्थी की याचिका में अंतरिम आदेश जारी कर 5 अगस्त को जारी एपीओ आदेश पर रोक लगाकर राहत दी है।

जन्मदिवस पर पौधारोपण कर मनाया जन्मदिवस

संजीवनी टुडे

बूंदी। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भैरूपुरा ओझा के वरिष्ठ अध्यापक कमलेश कुमार मेहरा वरिष्ठ के जन्म दिवस के अवसर पर शुक्रवार को विद्यालय के प्रांगण में राजस्थान सरकार एवं मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के द्वारा आयोजित कार्यक्रम एक पेढ़ मां के नाम के तहत स्थानीय विद्यालय के परिसर में एक बादाम का पौधा लगाया गया लगाया। इस अवसर पर स्थानीय विद्यालय के उप प्रधानाचार्य महेश कुमार शर्मा ,व्याख्याता राकेश शर्मा , साधना शर्मा, पंकज शर्मा, भुवनेश शर्मा , रोवर प्रभारी गिरिराज बैरवा , आशा मेघवाल , प्रियंका कलेर वरिष्ठ अध्यापक व अन्य स्टाफ साथी मौजूद रहे। कमलेश कुमार मेहरा यूथ एवं इको क्लब प्रभारी ने मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महा अभियान के तहत स्थानीय विद्यालय के खेल मैदान परिसर में ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगा कर पर्यावरण को हरा-भरा बनाने की अपील की जिससे हमारी प्रकृति को हमेशा के लिए सुंदर बनाए जा सके ।

जनापुर में 78 वां स्वतंत्रता दिवस राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में हर्षोल्लास के साथ में मनाया

संजीवनी टु डे

पिण्डवाडा/सिरोही। नगर के निकटवर्ती स्थित जनापुर गांव में 78 वां स्वतंत्रता दिवस राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जनापुर के प्रांगण में हर्षोल्लास के साथ में मनाया गया, 78 वां स्वतंत्रता दिवस पर झंडारोहण श्रीमती लता कुमारी रावल सरपंच जनापुर एवं संस्था प्रधान लक्ष्मी जोया द्वारा किया गया, भामाशाह लादूराम द्वारा विद्यार्थियों व गणमान्य ग्राम वासियों के लिए मिष्ठान की व्यवस्था की गई, कैलाश कुमार प्रजापत द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के लिए पारितोषित की व्यवस्था की गयी हिम्मत प्रजापत द्वारा सभी बालिकाओं को स्कूल बैग बनवाकर भेंट किए गए एवं बालिका विद्यालय हेतु एक लैपटॉप एवं नोडल जनापुर विद्यालय हेतु एक कंप्यूटर सेट देने की घोषणा की गई म्सी दौरान बंशीलाल रावल द्वारा विद्यालय कों दिए गए ट प्लांट को दुरुस्त कर विद्यार्थियों हेतु ठंडे व फिलटर पानी की व्यवस्था को सुचारु करने की घोषणा की गई म्सी दौरान समाजसेवी तरुण रावल द्वारा दोनों राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में माँ बाड़ी में अध्ययरत विद्यार्थियों हेतु कॉपीयों फाईल फोल्डरस की व्यवस्था कर वितरण की गयीम्साथ ही मीराबाई ट्रस्ट के शंकर लाल रावल द्वारा विद्यार्थियों हेतु प्रति वर्ष 10,000 रु एवं शिक्षण सत्र 2023-24 में कक्षा में प्रथम आने वाले विद्यार्थियों को 501 रूपए, व द्वितीय आने वालों को 301 रुपये की घोषणा की गयी, संस्था प्रधान एवं विद्यालय परिवार ने समस्त भामाशाहों का अभिनंदन,सम्मान व आभार प्रकट किया गया।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

बढ़ती आबादी निगल जायेगी संसाधनों को

जनसंख्या बढ़ती गई,यूँ ही बेतरतीब, तो मानव को अन्न-जल,होगा नहीं नसीब, जनसंख्या की वृद्धि के,निकले ये परिणाम, जीवन के हर मोड़ पर, कलह और कुहराम। जनसंख्या ज्वलंत समस्या बन कर आज हमसे समाधान मांग रही है। धरती की भी धारण करने की अपनी सीमा होती है। इस सीमा को पार करने के नतीजे जल, जंगल और जमीन की बौखलाहट के रूप में हम भुगत रहे हैं। हमारी लगातार बढ़ती आबादी के साथ उसकी जरूरतों की आपूर्ति के लिये प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है और नतीजे में हम बार-बार प्रकृति के प्रकोप का सामना करने को अभिशप्त हो गए हैं। मानव आबादी का बढ़ना दुनिया के कई हिस्सों में चिंता का कारण बन गया है, मुख्यतः गरीब देशों में। भारत बढ़ती जनसंख्या की समस्या से जूझ रहा है।दुनिया की लगभग 17% आबादी भारत में रहती है और यह दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देशों में से एक है।किसी भी देश में जब जनसंख्या विस्फोटक स्थिति में पहुँच जाती है तो संसाधनों के साथ उसकी ग़ैर-अनुपातित वृद्धि होने लगती है, इसलिये इसमें स्थिरता लाना ज़रूरी होता है। संसाधन एक बहुत महत्त्वपूर्ण घटक है। भारत में विकास की गति की अपेक्षा जनसंख्या वृद्धि दर अधिक है। संसाधनों के साथ क्षेत्रीय असंतुलन भी तेज़ी से बढ़ रहा है। विश्व में साल-दर-साल बढ़ती आबादी को देखते हुए '11 जुलाई 1989' से जनसंख्या को नियंत्रित करने के उद्देश्य से 'विश्व जनसंख्या दिवस' मनाने की शुरुआत हुई।''बढ़ती आबादी ही निगल जायेगी, देश के हर संसाधन को,अगली पीढ़ी को क्या हम देंगे सोचों जरा इन बातों को। जनसंख्या की बढ़ती दर कई समस्याओं का कारण है। विकासशील देश विकसित देशों के स्तर तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और इन देशों में जनसंख्या में तेजी से वृद्धि इस दिशा में मुख्य बाधाओं में से एक है। बढ़ती जनसंख्या के कारण ही बेरोजगारी की समस्या हर समय अधिक ही रहती है।भारत में जनसंख्या विस्फोट का असर अब दिखाई देने लगा है। हमारी सुविधाएँ सिकुड़ने लगी हैं और दिनों दिन जीवन मुश्किल में पड़ने लगा है। भारत सहित दुनिया के 178 देशों ने वर्ष 1994 में काहिरा इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन पॉपुलेशन के माध्यम से इस बात पर जोर दिया था कि स्वैच्छिक परिवार नियोजन प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है। स्मरण रहे कि भारत सहित अन्य विकासशील देशों में तकरीबन साढ़े इक्कीस करोड़ महिलाएँ ऐसी हैं, जो बच्चे को जन्म देने में थोड़ा विलम्ब करने की इच्छुक हैं, परन्तु आधुनिक गर्भनिरोधकों की जानकारी के अभाव में अपने अधिकारों का इस्तेमाल करने से वंचित रह जाती हैं। इससे उनकी सेहत ही नहीं बल्कि प्रजनन क्षमता भी प्रभावित होती है। विश्व बैंक ने अभी-अभी बताया है कि लड़कियों को शिक्षित नहीं करने की वजह से दुनिया पर तीन सौ खरब डॉलर का भार पड़ रहा है।वर्ष 1989 में जब ग्यारह जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाने का फैसला किया गया था, तब दुनिया की आबादी पाँच अरब थी, जबकि वर्तमान में दुनिया की आबादी लगभग सात अरब अस्सी करोड़ आँकी गई है। आज विश्व की जनसंख्या 7 अरब से ज्यादा है। अकेले भारत की जनसंख्या लगभग 1 अरब 30 करोड़ है।भारत विश्व का दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। आजादी के समय भारत की जनसंख्या 33 करोड़ थी जो आज चार गुना तक बढ़ गयी है। चीन, भारत और अन्य एशियाई देशों में शिक्षा और जागरूकता की कमी की वजह से जनसंख्या विस्फोट के गंभीर खतरे साफ दिखाई देने लगे हैं। स्थिति यह है कि अगर भारत ने अपनी जनसंख्या वृद्धि दर पर रोक नहीं लगाई तो वह 2030 तक दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन जाएगा। भारत में जनसंख्या के बढ़ने का एक मुख्य कारण अशिक्षा है। अशिक्षित और गरीब वर्ग के लोग अधिक संख्या में बच्चे पैदा करते हुए देखे जाते हैं। इसके दो कारण हैं। पहले, उनके लिए अधिक बच्चे काम करने और परिवार के लिए पैसा कमाने के लिए अधिक संख्या का मतलब है। दूसरे, उनमें से अधिकांश जन्म नियंत्रण विधियों के बारे में नहीं जानते हैं। जल्दी शादी से बच्चों की संख्या भी अधिक होती है। जनसंख्या में वृद्धि को कम मृत्यु दर के लिए भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। विभिन्न बीमारियों के उपचार और इलाज विकसित किए गए हैं और इस तरह मृत्यु दर कम हो गई है। कई कारक हैं जिन्होंने पिछले कुछ दशकों में दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जनसंख्या विस्फोट किया है। प्रमुख कारकों में से एक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति है। जबकि पहले मनुष्य की जन्म दर और मृत्यु दर के बीच संतुलन था, चिकित्सा विज्ञान में उन्नति ने उसी में असंतुलन पैदा कर दिया।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

भारतीय लोकतंत्र के ढहते स्तंभ !

विचार बिन्दु

'अब भारत में सदा की तरह गुँडों,माफियाओं,भ्रष्टाचारियों पुलिस,प्रशासन और नेताओं की त्रिवेणी रूपी भ्रष्टाचार की दरिया सदा की तरह अविराम रूप से अनन्त काल तक बहती ही रहेगी। फिलहाल भेद खोलनेवाला छोटा साँप एनकाउंटर करके 'तुरंत न्याय ' के तहत न्यायपालिका के कार्य को भी हल्का करते हुए सदा के लिए 'चिरनिंद्रा ' में सुला दिया गया है, अब सभी बड़े अजगर निश्चिंत होकर सो गये हैं।भारतीय लोकतंत्र फिर भी आश्चर्यजनक रूप अभी भी 'महान ' ही है।..और भविष्य में भी 'महान ' ही रहेगा। भविष्य में अब भारत महान के कथित लोकतंत्र में 'पुलिसियान्याय ' अदालतों के बीसियों सालों तक लटक–झटककर देनेवाले 'देर से मिलनेवाले न्याय ' से ज्यादे लोकप्रिय न हो जाये।

प्रायः यह कहा जाता है कि लोकतंत्र के क्रमशः चार स्तंभ क्रमशः विधायिका, कार्यपालिका,न्यायपालिका और पत्रकारिता होते हैं,ये चारों स्तंभ एक-दूसरे पर अपनी पैनी नजर रखते हैं,ताकि उक्त में से कोई भी एक स्तंभ अगर निरंकुश होने लगे,अपनी सीमा का अतिक्रमण करने लगे,तो बाकी तीनों अपने संविधान प्रदत्त शक्तियों से उस पर अंकुश लगा कर,लोकतंत्र को बचा लेने का अपना अभीष्ट कर्तव्य कर देते हैं,परन्तु वर्तमानकाल में हो रही घटनाओं को देखते हुए निश्चितरूप से यह नहीं कहा जा सकता की कम से कम भारत में लोकतंत्र के बारे अक्सर कही जानेवाली उक्त बातें सही हैं। उदाहरणार्थ उत्तरप्रदेश में पिछले दिनों उसके मठाधीश मुख्यमंत्री तथा मध्यप्रदेश में जोड़-तोड़,दल-बदल और कांग्रेसी विधायकों को मोलभाव करके उन्हेंअरबों रूपये में खरीकर बनाए गए वहाँ के एक नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री की पुलिस द्वारा की गई निरंकुशता,अहंकार और दमनात्मक कार्यवाही करके जिस तरह उन पत्रकारों, डॉक्टरों और अन्य लोगों की प्रताड़ना होती रही है,इससे कहीं नहीं लग रहा है कि इस लोकतंत्र में पत्रकारिता और उसके कर्णधार किसी भी दृष्टिकोण से लोकतंत्र के 'कथित चौथे स्तंभ ' रह गये हैं।

इसी प्रकार अभी पिछले दिनों कानपुर में तमाम राजनैतिक दलों के छोटे से बड़े नेताओं, पुलिस विभाग के छोटे से बड़े ओहदे के पुलिस कर्मियों व अफसरों,यहाँ तक कि न्यायपालिका के भ्रष्ट व रिश्वतखोर जजों तक द्वारा पालित-पोषित मॉफिया और एक गुँडे द्वारा 8 पुलिस वालों की निर्मम हत्या करना,फिर चार राज्यों को बगैर किसी बाधा के पार करके उज्जैन में प्रकट होना। उसको नेताओं और पुलिस की मिली-जुली पूरी कहानी स्पष्ट से जाहिर करती है कि उस मॉफिया गुँडे पर उक्त तरह के लोगों का कितना जबर्दस्त वरद्हस्त था। मध्यप्रदेश के कुछ चुनिंदा पुलिस कर्मचारियों और अफसरों के सामने आत्मसमर्पण का नाटक,फिर उस दुर्दांत अपराधी व हत्यारे को उत्तर प्रदेश पुलिस की एसटीएफ टीम को सौपना..और उज्जैन से कानपुर के रास्ते में कानपुर बॉर्डर की सीमा में पहुँचते ही पुलिस के अनुसार कथित गाय-भैंसों के झुंड के अचानक आगे आ जाने से वही गाड़ी पलटी,जिसमें उक्त कुख्यात हत्यारा,मॉफिया विकास दुबे कई तेजतर्रार एसटीएफ के पुलिस वालों के बीच हथकड़ी-बेड़ी में जकड़ा बैठा था,फिर वह हथकड़ी-बेड़ी में जकड़ा अपराधी पुलिस वालों से उनकी पिस्तौल छीनकर उन पर हमलाकर दिया, उससे आत्मरक्षार्थ पुलिस वालों को उसको भागते हुए गोली चलानी पड़ी,परन्तु आश्चर्यजनक रूप से पुलिस की एक भी गोली उसकी पीठ में नहीं लगी,अपितु सारी गोलियां उसके सीने में लगीं और वह पुलिस के उक्त बिल्कुल कमजोर पटकथा वाली कहानी के अनुसार उसे इनकाउंटर करके मौत की नींद सुला दिया गया।

बिभिन्न समाचार माध्यमों से आ रही खबरों के अनुसार वह लगभग बीसियों साल से उत्तर प्रदेश के लगभग सभी राजनैतिक दलों के छोटे-बड़े सभी नेताओं के साथ-साथ,पुलिसवालों (चौकियों, थानों आदि में),कानपुर नगर निगम,कानपुर विकास प्राधिकरण आदि सभी सरकारी संस्थाओं में वहां के बड़े से बड़े अफसर का वह लाडला बना हुआ था। समाचार पत्रों में आई खबरों के अनुसार समाजवादी पार्टी,बहुजन समाज पार्टी,भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस आदि सभी पार्टियों के नेता चुनाव में खड़े होने के बाद चुनाव प्रचार से पूर्व एक बार उस बाहुबली, गुँडे मॉफिया स्वर्गीय विकास दुबे के ड्योढ़ी पर अपनी चुनावी सफलता के लिए कम से कम एक बार जरूर जाते थे। इसका मतलब कानपुर का यह मॉफिया डॉन विगत पिछले बीसियों सालों से जो भी उत्तर प्रदेश की सत्तारूढ़ सरकार रही हो,उसके कर्णधारों और प्यादों का प्यारा और खासम-खास रहा है,चूँकि उसके पास उक्त सभी राजनैतिक दलों के कथित जनसेवकों का कच्चा चिट्ठा था,इसलिए बड़े-बड़े पुलिस अफसरों और लगभग हर राजनैतिक दलों के उन नेताओं तथा न्यायालय के उन सभी जातिवादी, घूसखोर व भ्रष्ट जजों के लिए,जो उसके द्वारा लगातार किए जाते रहे 60 अपराधों के करने के बावजूद भी जमानत पर जमानत दिए जा रहे थे,यह निहायत जरूरी था कि उसका 'किसी भी तरह से ' खात्मा कर दिया जाय। ताकि 'न रहे बाँस न बजे बाँसुरी। 'सब सबूत एक ही झटके में खत्म,न कोई एफआईआर, न कोई पेशी की झंझट,न कोई जिरह,न सफाई का मौका,न कोई तारीख, न कोई जमानत, न कोई बेल। न कोई कठोर फैसला करने की मजबूरी, न आजीवन कारावास, न फाँसी,सभी झंझट एक 'एनकाउंटर ' में निबटाकर, न्यायाधीशों की कमी से जूझते न्यायलयों के काम को बिल्कुल हल्का कर दिया गया।

अब उक्त वर्णित तथ्यों को ध्यानपूर्वक विश्लेषण किया जाय तो निश्चित रूप से यह परिलक्षित होता है कि वर्तमान समय के भारत में पत्रकारिता और पत्रकार तो वैसे ही 99 प्रतिशत तक सत्ता के चरणों में लोट रहे हैं,बाकियों को पुलिस वाले अपनी लाठियों के बल पर 'उनकी औकात 'ठीक से बता दे रहे हैं। अब उक्त घटना से लोकतंत्र के तीसरे स्तंभ न्यायालयों की औकात और निरर्थकता उत्तर प्रदेश के पुलिसवाले अपनी गढ़ी गई पटकथा के अनुसार फिल्मी स्टाइल में किए गए एनकाउंटर से साबित कर चुके हैं,इससे पूर्व उत्तर प्रदेश का अपराधिक पृष्ठभूमि का मठाधीश मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश विधानसभा में खुद को 'कथित राजनैतिक विद्वेष से उस पर मुकदमें किए गये थे,अतः उनको निरस्त किया जाता है ' ,का अजीबोगरीब तर्क देकर अपने ऊपर किए गए सारे मुकदमें वापस करके लोकतंत्र के तीसरे स्तंभ 'न्यायपालिका ' का बोझ हल्का कर चुका है,लेकिन इससे एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि इस देश के विभिन्न राज्यों के तमाम विधासभाओं के तथा वर्तमान लोकसभा के 43 प्रतिशत सभी दागी,बलात्कारी, मॉफिया व हत्यारे विधायक और सांसद भी, दंगाई व अपराधी योगी जैसे तर्क देकर कि 'उन पर यह आरोप राजनैतिक बदले की भावना से लगाया गया है,वस्तुतः वे निर्दोष हैं अतः उन्हें भी निरपराध मानकर उन पर किए गए सारे मुकदमें वापस ले लिए जाँय ' तो उस स्थिति में इस देश में उपस्थित पहले से ही बीमार लोकतंत्र तो बेमौत ही मर जाएगा। आज भारतीय लोकतंत्र अपनी अंतिम साँसें गिन रहा है। इस संबंध में सोशल मिडिया पर एक बहुत ही सटीक और सार्थक तथा यथार्थवादी संदेश आजकल बहुत ही वायरल हो रहा है कि 'कानपुर के गुँडा-मॉफिया विकास दुबे जैसे एक छोटे साँप को तो उत्तर प्रदेश पुलिस के एसटीएफ जवानों ने तो एनकाउंटर करके मार दिए,लेकिन इस देश में हर जगह जो बड़े-बड़े अजगर टहल रहे हैं,जिन्होंने कानपुर के उस गुँडा-मॉफिया विकास दुबे जैसे उस छोटे साँप को अब तक दूध पिला रहे थे, जैसे पुलिस के बड़े अफसरों,बड़े ब्यूरोक्रेट्स, भ्रष्ट और करप्ट जज और लगभग सभी राजनैतिक दलों के नेताओं का एनकाउंटर कब होगा ? 'आखिर 'उस छोटे साँप के पालक' इन बड़े अपराधी अजगरों का अपराध तो उस छोटे साँप से बहुत ही ज्यादे और संगीन हैं। वास्तविकता यही है कि ये सभी बड़े अजगर उस छोटे साँप को इसीलिए जल्दी से जल्दी मौत के घाट उतरवा दिए,ताकि 'वह नन्हाँ साँप इन बड़े-बड़े अजगरों का कहीं असली भेद न खोल दे।

निर्मल कुमार शर्मा

शिवत्व को धारण करने का दिव्य अवसर है सावन का महीना

सावन का महीना शिवभक्तों के लिए खास होता है। शिवभक्त काँवरियों में जल लेकर शिवधाम की ओर निकल पड़ते हैं। शिवालयों में जल चढ़ाने के लिए लोग बोल बम के नारे लगाते घरों से निकलते हैं। भक्त भगवा वस्त्र धारण कर शिवालयों की ओर कूच करते हैं। हमारे देश में पर्वों एवं त्यौहारों की एक समृद्ध परम्परा रही है, यहां मनाये जाने वाले पर्व-त्योहार के पीछे कोई न कोई गौरवशाली इतिहास-संस्कृति का संबंध जुड़ा होता है। सभी धर्मों में धार्मिक भावना की दृष्टि से मनाये जाने वाले पर्व हैं जैसे-हिंदुओं में दीपावली नवरात्रि, मुसलमानों में रमजान, ईसाइयों में क्रिसमस आदि। हिन्दू संस्कृति में जितने भी पर्व व त्योहारों मनाये जाते हैं लगभग सभी में तप एवं साधना का विशेष महत्व है। हिन्दुओं के लिये श्रावण मास का सर्वाधिक महत्व है। यह अवसर जहां प्रकृति के सौन्दर्य, आध्यात्मिक ऊर्जा के संचार एवं आत्मिक शक्ति के विस्तार का अलौकिक एवं दिव्य समय है। श्रावण मास की हर घड़ी एवं हर पल भगवान शिव को समर्पित एवं उनके प्रति आस्था एवं भक्ति व्यक्त करने का दुर्लभ एवं चमत्कारी अवसर है। श्रद्धा का यह महासावन भगवान शिव के प्रति समर्पित होकर ग्रंथियों को खोलने की सीख देता है।

इस आध्यात्मिक पर्व के दौरान कोशिश यह की जाती है कि हिन्दू कहलाने वाला हर व्यक्ति अपने जीवन को इतना मांज ले, इतना आध्यात्मिकता से ओतप्रोत कर ले, इतना शिवमय बना लें कि वर्ष भर की जो भी ज्ञात-अज्ञात त्रुटियां हुई हैं, आत्मा पर किसी तरह का मैल चढ़ा है वह सब धुल जाए। हिन्दू संस्कारों को सुदृढ़ बनाने और अपसंस्कारों को तिलांजलि देने का यह अपूर्व अवसर है। यह सम्पूर्ण माह इतना महत्वपूर्ण हैं कि इनमें व्यक्ति स्वयं के द्वारा स्वयं को देखने का प्रयत्न करता है। यह माह हिन्दू संस्कृति एवं उसकी पवित्रता, पोषकता, सात्विकता और नवजागरण का सन्देश देता है। हर श्रद्धालु का मन भक्तिमय होकर नैतिकता और चरित्र की चैकसी का काम करता है। यह दिव्य एवं आस्थामय माह हर व्यक्ति को प्रेरित करता है कि वे भौतिक और सांसारिक जीवन जीते हुए भी आध्यात्मिकता को एवं भगवान शिव को जीवन का हिस्सा बनाएं, जीवन को पवित्र एवं पावन बनाये। आत्मोत्थान तथा आत्मा को उत्कर्ष की ओर ले जाने वाले इस चमत्कारी श्रावण माह में साधक प्रकृतिमय दिनचर्या के साथ शांति और स्वास्थ्य, प्रकृति एवं पर्यावरण के लिये जागरूक एवं साधनारत रहता है।

महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1863	चीली की राजधानी सेंटियागो स्थित जेसूइट गिरजाघर में आग लगने से ढाई हजार लोगों की मौत।
1881	यूरोपीय देश ऑस्ट्रिया की राजधानी विएना में थियेटर में आग लगने से 800 से ज्यादा लोगों की मौत।
1923	जर्मनी और अमेरिका के बीच मित्रता संधि पर हस्ताक्षर किए गये।
1941	अमेरिका और ब्रिटेन ने जापान के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1956	आस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में सोलहवें ओलंपिक खेल का समापन।
1967	पहले पनडुब्बी आईएनएस कालवरी को सेना में शामिल किया गया।
1976	अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
1995	चीन द्वारा विवादास्पद रूप से 6 वर्षीय बालक झेनकेन नोरबू की पंचेन लामा के अवतार के रूप में ताजपोशी एवं मान्यता।
1998	पूर्व लेफ़्टिनेंट कर्नल ह्यूगो शावेज वेनेजुएला के नये राष्ट्रपति बने। ओलंपिक के इतिहास में पहली बार महिला आइस हॉकी शामिल गया था। फिनलैंड ने पहले मुकाबले में स्वीडन को 6-0 से हराया।
2000	ब्रिटेन व रूस के बीच रक्षा समझौता सम्पन्न, अल्जाईमर का नया उपचार 'गोलनेटमाइन' खोजा।

कानून व्यवस्था में व्यापक सुधार की जरूरत

विचार बिन्दु

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

वर्तमान कानून व्यवस्थाओं के मुख्य समस्याओ की बात करे तो इसमें सबसे बड़ी समस्या है जिसमे न्याय मिलने में अत्यधिक समय का लगना , जिससे लोगों का विश्वास कम हो रहा है और जनता इनकाउंटर को भी सही ठहरा के जश्न मना रही है।

हाल ही में कुछ ऐसी घटनाएं हुई है जो भारतीय कानून व्यवस्था पर ही उँगली उठा रही है। भारत की वर्तमान स्थिति वाकई भयावह व चिन्ताजनक है। हमारा देश एक ऐसी जीवंत समाजिक प्रयोगशाला बन गया है जिसमें एक नया मनुष्य गढ़ा जा रहा है। एक धर्म, एक जाति , एक भाषा से बनता एक देश जैसा समाज, विज्ञान को खारिज करते हुए हम ऐसे इंसानों का समाज बनाने का प्रयोग कर रहे हैं जो एक साथ तमाम स्वस्थ्य विविधताओं का प्रतिनिधि बन जाये। जिस तरह की घटनाएं दिनोंदिन घट रही है वो काफी निंदनीय है और सोचने पर विवश करने वाला भी है। भीड़ द्वारा की गई हिंसा चाहे वो, साम्प्रदायिक , जातीय , राजनीतिक और धार्मिक आधार पर ही क्यो न हो उसके भी अपने जोखिम है। लोग हो या पुलिस हो उसकी गुंडागर्दी साफ साफ दिख रही है। आये दिन मोब ब्लिंचिंग की घटनाएं हो या फिर स्क्रिप्टेड इनकाउंटर हो । इन सब पर प्रश्न उठना लाज़िमी है।

भीड़ द्वारा साधुओं की हत्या हो या फिर लॉक डाउन तोड़ने के इल्जाम में तमिलनाडु पुलिस द्वारा पिता पुत्र को कस्टडी में मार देना हो , वहीं पुलिस भागते हुए विकास के सीने पर गोली भी दाग देती है। साथ साथ चल रही मीडिया को रोक देना और 15 मिनट बाद ही मरने और एक्सीडेंट की सूचना आना, बहुत कुछ बयां करती है। विकास को बिना हथकड़ी ले जाना तर्कहीन है ही साथ ही अगर विकास भागने की कोशिश कर रहा था तो क्या हमारे एस टी एफ के जवान इतने निकम्मे थे कि उसे पकड़ नही सकते थे। अगर नही फिर भी पुलिस को पैर में गोली चलाने की इजाजत थी , सीने में नहीं। एक बात तो साफ है कि विकास का इनकाउंटर नही मॉर्डर ही कहना उचित होगा, ठीक वैसे ही जैसे कस्टडी में पिता पुत्र की भी हत्या है और साधुओं की भी हत्या है। हैदराबाद गैंग रेप जैसे केस हो या कानपुर इनकाउंटर हो, दोनो ही के बाद लोगो ने जश्न मनाया। स्वाभाविक है ऐसी स्थिति तब आती है जब कानून से विश्वास लोगो का उठ जाता है। लोगों को पता है कि कोर्ट में न्याय मिलते मिलते देर हो जाएगी या फिर बच निकलेंगे।

जरूरत ऐसी व्यवस्था में परिवर्तन की है जिससे कि कानून पर लोगो का विश्वास बढ़े , वरना ऐसे ही जनता जश्न मनाती रहेगी और इन इनकाउंटर के बहाने निर्दोष भी कब बली चढ़ जाए उसका भी पता नही? विकास का जांच के बाद भी त्वरित करवाई की जा सकती थी , जिससे कि उसके साम्राज्य को जलाया जा सकता था लेकिन अब विकास जरूर गायब है उसका साम्राज्य अब भी है और हो सकता है कोई और विकास बने , जो उसके अपराध को आगे बढ़ाए। जैसे कि आम तौर पर देखने को मिलता है कि मुख्य अपराधी के जाने के बाद उसका अगला लीडर कोई और बन जाता है। बीमार तो खत्म हुआ लेकिन बीमारी अब भी विद्दमान है।

यही विकास दुबे थाने में मंत्री की हत्या कर देता है और कानून के कमजोड़ कड़ी पर चोट कर बच निकलता है। यह सम्भव था कि अगर उसी समय कानून ने उसे उसकी किए की सजा दी होती तो आज विकास दुबे अपराध का ब्रांड नही बना होता। सच कहें तो विकास को विकास करने का मौका कहीं न कहीं पुलिस और राजनेताओं ने ही दिया है और जब फन फैला कर पुलिस को ही डँस लिया तो उसकी इनकाउंटर कर दी गईं। सम्भव था कि पूछताछ और जाँच होती तो बहुत सी बडी मछलियां गिरफ्त में आ सकती थी और उसके अपराधों के साम्राज्य ध्वस्त किया जा सकता था। मैं यह नही कहता कि विकास को मार कर पुलिस ने गलतियां की लेकिन इतना जरूर कहूंगा कि हमे न्यायिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एक व्यापक सुधार की जरूत है वरना अराजकता में कब कौन बंदूक उठा कर किसके सीने में गोली दागेगा, यह वक्त के गर्भ में ही होगा।

वर्तमान कानून व्यवस्थाओं के मुख्य समस्याओ की बात करे तो इसमें सबसे बड़ी समस्या है जिसमे न्याय मिलने में अत्यधिक समय का लगना , जिससे लोगों का विश्वास कम हो रहा है और जनता इनकाउंटर को भी सही ठहरा के जश्न मना रही है। इसके अलावे कोर्ट में केस के दौरान जिस तरह से गवाहों को तोड़ा जाता है और दोषी भी बच निकलता है , इसमे सुधार की जरूरत है। विकास दुबे जैसे कितने लोग गवाह को खत्म कर के ही अब तक कानून के आंख में धूल झोकते आ रहे है और जब यह घाव केंसर बन जाता है तो फिर 8 पुलिस की शहादत जैसी घटना को अंजाम देता है। तमाम नियम कानून को ताक पर रख कर जिस तरह जनता हो या पुलिस हो कानून की धज्जियाँ उड़ा रही है , इससे लोगों का कानून से मोह भंग हो रहा है और ऐसा कर कानून को ही फंदे पर चढ़ाया जा रहा है।

मौसम बदला

बुखार से जरा बचके

मौसम बदल रहा है कभी ठंडा कभी गर्मी के एहसास के चलते हम बीमार पड़ रहे है इस मौसम अपने साथ कई तरह की बीमारियां भी ला रहे है, जिनमें बुखार बड़ा कॉमन है। डेंगू के मामले भी बढ़ रहे हैं।

क्या है बुखार

जब हमारे शरीर पर कोई बैक्टीरिया या वायरस हमला करता है तो शरीर अपने आप ही उसे मारने की कोशिश करता है। इसी मकसद से शरीर जब अपना टेम्प्रेचर बढ़ाता है तो उसे बुखार कहा जाता है। अगर शरीर का तापमान सुबह के समय 99 डिग्री फारनहाइट से ज्यादा और शाम के वक्त 99.9 डिग्री फारनहाइट से ज्यादा है, तो बुखार माना जाता है। अब 98.4 नॉर्मल टेम्प्रेचर का कॉन्सेप्ट बदल चुका है। मलेरिया और डेंगू में बुखार 101 से लेकर 103 डिग्री फारनहाइट तक पहुंच जाता है, जबकि वायरल में बुखार की रेंज को बता पाना काफी मुश्किल होता है।

खुद क्या करें

बुखार अगर 102 डिग्री तक है और कोई और खतरनाक लक्षण नहीं हैं तो मरीज की देखभाल घर पर ही कर सकते हैं। इसमें तीन चार दिन तक इंतजार कर सकते हैं। मरीज के शरीर पर सामान्य पानी की पट्टियां रखें। पट्टियां तब तक रखें, जब तक शरीर का तापमान कम न हो जाए। अगर इससे ज्यादा तापमान है तो फौरन डॉक्टर को दिखाएं। मरीज को एसी में रख सकते हैं, तो बहुत अच्छा है, नहीं तो पंखे में रखें। कई लोग बुखार होने पर चादर ओढ़कर लेट जाते हैं और सोचते हैं कि पसीना आने से बुखार कम हो जाएगा, लेकिन इस तरह चादर ओढ़कर लेटना सही नहीं है। साफ-सफाई का पूरा ख्याल रखें। मरीज को वायरल है, तो उससे थोड़ी दूरी बनाए रखें और उसके द्वारा इस्तेमाल की गई चीजें इस्तेमाल न करें। मरीज को पूरा आराम करने दें, खासकर तेज बुखार में। आराम भी बुखार में इलाज का काम करता है। मरीज छींकने से पहले नाक और मुंह पर रुमाल रखें। इससे वायरल होने पर दूसरों में फैलेगा नहीं।

बरतें ऐहतियात

ठंडा पानी न पीएं, मैदा और बासी खाना न खाएं। खाने में हल्दी, अजवाइन, अदरक, हींग का ज्यादा-से-ज्यादा इस्तेमाल करें। इस मौसम में पत्ते वाली सब्जियां, अरबी, फूलगोभी न खाएं। हल्का खाना खाएं, जो आसानी से पच सके। पूरी नींद लें। मिर्च मसाले और तला हुआ खाना न खाएं, भूख से कम खाएं, पेट भर न खाएं। खूब पानी पीएं। छाछ, नारियल पानी, नीबू पानी आदि खूब पिएं। नाक के अंदर की तरफ सरसों का तेल लगाकर रखें। इससे तेल की चिकनाहट बाहर से बैक्टीरिया को नाक के अंदर जाने से रोकती है। खाने में हल्दी का इस्तेमाल ज्यादा करें। सुबह आधा चम्मच हल्दी पानी के साथ या रात को आधा चम्मच हल्दी एक गिलास दूध के साथ लें। लेकिन अगर आपको नजला, जुकाम या कफ आदि है तो दूध न लें। तब आप हल्दी को पानी के साथ ले सकते हैं। 8-10 तुलसी के पत्तों का रस शहद के साथ मिलाकर लें या तुलसी के 10 पत्तों को पौने गिलास पानी में उबालें, जब वह आधा रह जाए तब उस पानी को पीएं।

FEVERS

डेंगू कैसे और कब

डेंगू मादा एडीज इजिप्टी मच्छर के काटने से होता है। इन मच्छरों के शरीर पर चीते जैसी धारियां होती हैं। ये मच्छर दिन में, खासकर सुबह शरीर के निचले हिस्सों पैरों आदि पर काटते हैं। डेंगू बरसात के मौसम और उसके फौरन बाद के महीनों यानी जुलाई से अक्टूबर में सबसे ज्यादा फैलता है। काटे जाने के 3-5 दिनों के बाद मरीज में डेंगू बुखार के लक्षण दिखने लगते हैं। शरीर में बीमारी पनपने की मियाद 3 से 10 दिनों की भी हो सकती है।

डेंगू के 3 रूप

- क्लासिकल (साधारण) डेंगू बुखार
- डेंगू हैमरेजिक बुखार
- डेंगू शॉक सिंड्रोम

इन तीनों में से दूसरे और तीसरे तरह का डेंगू सबसे ज्यादा खतरनाक होता है। साधारण डेंगू बुखार अपने आप ठीक हो जाता है और इससे जान का खतरा नहीं होता लेकिन अगर किसी को डीएचएफ या डीएसएस है और उसका फौरन इलाज शुरू नहीं किया जाता तो जान जा सकती है। इसलिए यह पहचानना सबसे जरूरी है कि बुखार साधारण डेंगू है, डीएचएफ है या डीएसएस है।

बुखार कब जानलेवा

सभी बुखार जानलेवा या बहुत खतरनाक नहीं होते, लेकिन अगर डेंगू में हैमरेजिक बुखार या डेंगू शॉक सिंड्रोम हो जाए, मलेरिया दिमाग को चढ़ जाए, टायफायड का सही इलाज न हो, प्रेग्नेंसी में वायरल हेपटाइटिस या मेंनिंजाइटिस हो जाए तो खतरनाक साबित हो सकते हैं। बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है इसलिए बीमारी उन्हें जल्दी जकड़ लेती है। ऐसे में उनकी बीमारी को नजरअंदाज न करें। खुले में ज्यादा रहते हैं इसलिए इन्फेक्शन होने और मच्छरों से काटे जाने का खतरा उनमें ज्यादा होता है। बच्चों को घर से बाहर पूरे कपड़े और जूते पहनाकर भेजें। मच्छरों के मौसम में बच्चों को निकर व टी-शर्ट न पहनाएं। रात में मच्छर भगाने की क्रीम लगाएं। बच्चा बहुत ज्यादा रो रहा हो, लगातार सोए जा रहा हो, बेचैन हो, उसे तेज बुखार हो, शरीर पर रैशेज हों, उलटी हो या इनमें से कोई भी लक्षण हो तो फौरन डॉक्टर को दिखाएं।

डेंगू शॉक सिंड्रोम

इस बुखार में डीएचएफ के लक्षणों के साथ-साथ 'शॉक' की अवस्था के भी कुछ लक्षण दिखाई देते हैं।

जैसे- मरीज बहुत बेचैन हो जाता है और तेज बुखार के बावजूद उसकी स्किन ठंडी महसूस होती है। मरीज धीरे-धीरे होश खोने लगता है। मरीज की नाड़ी कभी तेज और कभी धीरे चलने लगती है। उसका ब्लडप्रेशर एकदम लो हो जाता है।

इलाज

अगर मरीज को साधारण डेंगू बुखार है तो उसका इलाज व देखभाल घर पर की जा सकती है। अगर बुखार 102 डिग्री फारनहाइट से ज्यादा है तो मरीज के शरीर पर पानी की पट्टियां रखें। सामान्य रूप से खाना देना जारी रखें। बुखार की हालत में शरीर को और ज्यादा खाने की जरूरत होती है। मरीज में DSS या DHF का एक भी लक्षण दिखाई दे तो उसे जल्दी-से-जल्दी डॉक्टर के पास ले जाएं। DSS और DHF बुखार में प्लेटलेट्स कम हो जाते हैं, जिससे शरीर के जरूरी हिस्से प्रभावित हो सकते हैं। डेंगू बुखार के हर मरीज को प्लेटलेट्स चढ़ाने की जरूरत नहीं होती, सिर्फ डेंगू हैमरेजिक और डेंगू शॉक सिंड्रोम बुखार में ही जरूरत पड़ने पर प्लेटलेट्स चढ़ाई जाती हैं। अगर सही समय पर इलाज शुरू कर दिया जाए तो DSS और DHF का पूरा इलाज मुमकिन है। इलाज कराने और हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने के बाद मरीज को थोड़ी कमजोरी रहती है, जो 10 दिन में ठीक हो जाती है। पूरी तरह स्वस्थ होने में मरीज को 10 दिन लगते हैं।

एलोपैथी में इलाज

इसकी दवाई लक्षण देखकर और प्लेटलेट्स का ब्लड टेस्ट कराने के बाद ही दी जाती है।

आयुर्वेद: आयुर्वेद में इसकी कोई पेटेंट दवा नहीं है, लेकिन डेंगू न हो, इसके लिए यह नुस्खा अपना सकते हैं। एक कप पानी में एक चम्मच गिलोय का रस (अगर इसकी डंडी मिलती है तो चार इंच की डंडी लें), दो काली मिर्च, तुलसी के पांच पत्ते और अदरक मिलाकर पानी में उबालकर काढ़ा बनाएं और 5 दिन तक लें। दिन में दो बार, सुबह नाश्ते के बाद और रात में डिनर से पहले लें।

कौन-से टेस्ट

अगर तेज बुखार हो, जॉइंट्स में तेज दर्द हो या शरीर पर रैशेज हों तो पहले दिन ही डेंगू का टेस्ट कराएं। लक्षण नहीं हैं, पर तेज बुखार है तो भी एक-दो दिन बाद फिजिशन के पास जाएं। शक होने पर डॉक्टर डेंगू की जांच कराएगा। डेंगू की जांच के लिए शुरुआत में एंटिजन ब्लड टेस्ट किया जाता है। इस टेस्ट में डेंगू शुरू में ज्यादा पॉजिटिव आता है, जबकि बाद में धीरे-धीरे पॉजिटिविटी कम होने लगती है। अगर तीन-चार दिन के बाद टेस्ट कराते हैं तो एंटिबॉडी टेस्ट (डेंगू सिरॉलजी) कराना बेहतर है। डेंगू की जांच कराते हुए वाइट ब्लड सेल्स का टोटल काउंट और अलग-अलग काउंट करा लेना चाहिए। इस टेस्ट में प्लेटलेट्स की संख्या पता चल जाती है।

लक्षण क्या-क्या साधारण डेंगू बुखार

ठंड लगने के बाद अचानक तेज बुखार। -सिर, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द -आंखों के पिछले हिस्से में दर्द होना, जो आंखों को दबाने या हिलाने से और बढ़ जाता है। बहुत ज्यादा कमजोरी लगना, भूख न लगना और जी मिचलाना। गले में हल्का-सा दर्द होना। शरीर खासकर चेहरे, गर्दन और छाती पर, लाल-गुलाबी रंग के रैशेज। क्लासिकल साधारण डेंगू बुखार करीब 5 से 7 दिन तक रहता है और मरीज ठीक हो जाता है। ज्यादातर मामलों में इसी किस्म का डेंगू बुखार होता है।

डेंगू हॅमरेजिक बुखार

नाक और मसूढ़ों से खून आना। शौच या उलटी में खून आना। स्किन पर गहरे नीले-काले रंग के छोटे या बड़े रैशेज पड़ जाना। साधारण डेंगू बुखार के लक्षणों के साथ ये लक्षण भी दिखाई दें तो वह डीएचएफ हो सकता है। ब्लड टेस्ट से इसका पता लग सकता है।

ताकि चलती रहे कामकाजी जिंदगी

हर समय घर-दफ्तर की भागदौड़ और इससे तालमेल बैठाने की कोशिश करते आप..मानो पूरा जीवन ही मशीनी हो गया है। पर यह मशीन लंबे समय तक साथ देती रहे, इसके लिए जरूरी है नियमित व्यायाम। वैसे ही जैसे आप दूसरे सब काम करते हैं। 15 मिनट का समय निकाल कर कौन से आसन जरूर करें। कामकाजी लोगों के पास समय की बड़ी कमी होती है। व्यायाम न कर पाने के सौ बहाने हमेशा तैयार रहते हैं। यूं भी सेहत के प्रति लापरवाह नजरिया हम भारतीयों में आसानी से देखने को मिलता है। सारा दिन कंप्यूटर, कुर्सी, टेबल, फोन तथा घर-ऑफिस के कामों में ही बीत जाता है। न चैन से भोजन करना, न चैन से सोना। यही कारण है कि अधिकांश युवा व कामकाजी वर्ग कम उम्र में ही उच्च व निम्न रक्तचाप, मधुमेह, मोटापे, स्लिप डिस्क, सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस, उदर रोग, अपचन, वायु रोग, मानसिक तनाव, जोड़ों में दर्द तथा थकावट का शिकार हो रहा है। आधुनिक चिकित्सा के पास मनुष्य को संपूर्ण शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन तथा पूर्ण कार्यक्षम बनाने की कोई दवा नहीं है। योग के निरंतर तथा नियमित अभ्यास से जरूर इसका समाधान संभव है। यहां कुछ आसान क्रियाएं दी जा रही हैं, जिनके लिए घर व ऑफिस में कुछ समय निकाल कर अपनी कामकाजी जिंदगी को दीर्घायु बना सकते हैं..

1. ऑफिस में कुर्सी पर बैठ कर करने वाली यौगिक क्रियाएं

2. घर/ ऑफिस में एकांत में की जाने वाली यौगिक क्रियाएं

ऑफिस में कुर्सी पर बैठ कर करने वाली यौगिक क्रियाएं

इन क्रियाओं को सूक्ष्म यौगिक क्रियाएं कहते हैं। इन्हें आप ऑफिस की कुर्सी पर बैठे-बैठे कभी भी आसानी से कर सकते हैं। ये क्रियाएं गर्दन, हाथ, पैर तथा रीढ़ के लिए अलग-अलग होती हैं। इनके अभ्यास की विधि इस प्रकार है..

गर्दन की क्रियाएं: कुर्सी पर रीढ़, गर्दन व सिर को सीधा रख कर बैठ जाएं। दो गहरी सांस लें और छोड़ें। चेहरे को पांच बार दाएं और बाएं कंधे की ओर ले जाएं। इसके बाद पांच बार आगे व पीछे की ओर सिर झुकाएं। अंत में सिर को पांच बार घड़ी की सुई की दिशा में तथा इतनी ही बार विपरीत दिशा में घुमाएं। सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस की स्थिति में सिर को आगे की ओर झुकाना तथा वृत्ताकार घुमाना मना होता है।

लाभ: ऐसा करते रहने से सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस होने के खतरे से बच सकता है। **हाथ की क्रियाएं:** कुर्सी पर रीढ़, गर्दन व सिर को सीधा कर बैठें। दो गहरे सांस लें व छोड़ें। अब दाएं हाथ के कंधे को हल्का कड़ा करें, फिर ऊपरी बांह, निचली बांह, कलाई व हथेली को कड़ा करें। हाथ को 10 सेकेंड तक कड़ा रखें, फिर हथेली, कलाई, निचली व ऊपरी बांह तथा कंधे को क्रम से ढीला करें। यह क्रिया 5 बार करें। बाएं हाथ से दोहराएं। इससे शोल्डर फ्रीजिंग, कलाई व उंगलियों में दर्द की आशंका नहीं रहती। कंप्यूटर पर देर तक काम करने वालों के लिए यह अच्छी क्रिया है। **यौगिक श्वसन:** इसका अभ्यास उठते, बैठते, चलते-फिरते तथा लेटे हुए कभी भी किया जा सकता है। कुर्सी पर रीढ़, गला व सिर को सीधा रख कर बैठ जाएं। अब एक गहरी सांस लेकर पहले श्वास पेट में तथा उसके बाद सीने में भरें। श्वास निकालते समय पहले सीने को खाली करें। फिर पेट खाली करें। इसे 25 से 30 बार दोहराएं। **रीढ़ की क्रिया:** कुर्सी पर रीढ़, गला व सिर को सीधा रख कर बैठें। दो गहरी सांस लें व छोड़ें। अब दोनों हाथ की हथेलियों को सिर के पीछे रख कर धड़ को आगे, पीछे, दाएं व बाएं मोड़ें। यह क्रिया 5 बार दोहराएं। यह क्रिया रीढ़ की प्रत्येक वर्टिबा को सशक्त करती है।

पैर के लिए व्यायाम

कुर्सी पर रीढ़, गला व सिर को सीधा कर बैठ जाएं। दो गहरी सांस लें व छोड़ें। इसके बाद दाएं पैर के क्रमशः नितंब, जांघ, पिंडली, एड़ी, पंजे तथा उंगलियों को हल्का, मध्यम तथा तीव्र कड़ा करें। इसके बाद उल्टी दिशा से उंगलियों से लेकर नितंब को धीरे-धीरे ढीला छोड़ दें। यह क्रिया 5 बार दोहराएं।

माइग्रेनः कैसे पाएं चैन...

क्या आपको अचानक सिर के किसी एक हिस्से में बेहद दर्द होता है, जो झकझोर के रख देता है? क्या इस कारण रोजमर्रा के कामों को करने में परेशानी होती है? ऐसा लगता है, मानो जब तक आराम न आ जाए, तब तक अंधेरे कमरे में लेटे रहें? दर्द के साथ चक्कर या उलटी की शिकायत भी होती है? यदि आपका जवाब हां हैं तो यह दर्द माइग्रेन हो सकता है। खुद से ही दर्द निवारक दवाओं द्वारा इसे रोकने से बेहतर है कि आप तुरंत किसी डॉक्टर से संपर्क करें। पिछले कुछ समय में किशोरों व युवाओं में इसके मामले तेजी से बढ़े हैं।

तेज रफ्तार जिंदगी व अस्वस्थ जीवनशैली के कारण आज सिरदर्द की समस्या आम हो गई है। लंबे समय तक चलने वाला सिरदर्द आगे चल कर माइग्रेन का रूप धारण कर लेता है। माइग्रेन का दर्द कुछ घंटे से लेकर कई दिनों तक रह सकता है। पहले माना जाता था कि माइग्रेन मस्तिष्क की रक्त नलिकाओं के फैलने और सिकुड़ने के कारण होता है, लेकिन कई अनुसंधानों में यह बात सामने आई है कि माइग्रेन केंद्रीय तंत्रिका तंत्र की गड़बड़ी के कारण होता है, जिससे न्यूरोट्रांसमीटर्स का संचरण प्रभावित होता है, विशेष रूप से सेरोटोनिन हार्मोन में असंतुलन उत्पन्न हो जाता है।

महिलाएं हैं आसान शिकार

बचपन में सिरदर्द लड़कियों की तुलना में लड़कों को अधिक होता है, लेकिन किशोरावस्था में पहुंचते ही लड़कियों में सिरदर्द की समस्या लड़कों के मुकाबले ज्यादा होती है। महिलाओं में माइग्रेन की समस्या पुरुषों के मुकाबले तीन गुना ज्यादा होती है। उम्र के साथ यह समस्या बढ़ती जाती है। महिलाओं में पीरियड्स, गर्भावस्था और मेनोपॉज के दौरान होने वाले हार्मोन परिवर्तनों का माइग्रेन से सीधा संबंध है। गर्भनिरोधक दवाओं का सेवन भी माइग्रेन के खतरे को बढ़ा देता है।

सर्विकोजेनिक हेडेक: सर्विकोजेनिक हेडेक क्रॉनिक हेडेक का सबसे सामान्यकारण है। इसकी उत्पत्ति सर्वाइकल स्पाइन से होती है। यह केवल एक ओर होता है। बहुत कम मामलों में ही देखा जाता है कि यह मस्तिष्क की मध्य रेखा को पार करता है। गर्दन का पॉश्चर या गति ठीक नहीं रखने से यह और गंभीर हो जाता है। कम्प्यूटर पर काम करने वाले लोगों में यह अक्सर देखा जाता है। अगर कंप्यूटर की स्क्रीन अधिक ऊंची है, तब गर्दन को ऊंचा करके देखना पड़ता है, जिससे सिरदर्द हो जाता है। गंभीर सर्विकोजेनिक हेडेक में ऑपरेशन की आवश्यकता भी पड़ सकती है।

सर्विकल स्पॉन्डिलोसिस: यह उम्र से संबंधित समस्या है, जो गर्दन के जोड़ों को प्रभावित करती है। सर्विकल स्पॉन्डिलोसिस सर्विकल स्पाइन की उपस्थितियों और हड्डियों में टूट-फूट के कारण होता है। इसे नेक अर्थराइटिस भी कहते हैं। यह 90त्न उन लोगों में होता है, जिनकी उम्र 65 वर्ष से अधिक होती है। यह गर्दन में लगी किसी चोट या आनुवंशिक कारणों से हो सकता है। इसके कारण सिरदर्द भी होता है।

माइग्रेन के प्रकार

माइग्रेन के दो प्रकार होते हैं, क्लासिकल और नॉन क्लासिकल। जब माइग्रेन का दर्द ऑरा यानी दृष्टि संबंधी गड़बड़ी के बाद शुरू होता है, तब इसे क्लासिकल माइग्रेन कहते हैं। क्लासिकल माइग्रेन में आमतौर पर सिरदर्द के 10-15 मिनट पहले ऑरा के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। जब सिरदर्द बिना 'ऑरा' और दूसरे लक्षणों के साथ शुरू होता है, तब इसे नॉन क्लासिकल या सामान्य माइग्रेन कहते हैं। सामान्य माइग्रेन बच्चों और किशोरों में अधिक होता है। माइग्रेन के जो कुल मामले देखे जाते हैं, उनमें से 70 से 85 प्रतिशत सामान्य माइग्रेन और 15 से 30 प्रतिशत क्लासिकल माइग्रेन वाले होते हैं। छोटे बच्चों में माइग्रेन के दौरे शाम को पड़ते हैं।

माइग्रेन के ट्रिगर

वैसे माइग्रेन के वास्तविक कारणों का पता नहीं है, पर देखा जाता है कि माइग्रेन एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होता है। मनोवैज्ञानिक समस्याएं जैसे उत्तेजना और गहरा अवसाद या न्यूरॉटिक डिसऑर्डर जैसे पक्षाघात और मिरगी भी माइग्रेन के खतरे को बढ़ा देते हैं।

कुछ अन्य ट्रिगर भी निम्न हैं..

तनाव और नींद की कमी। हार्मोंस में बदलाव विशेषकर महिलाओं में। सामान्य खान-पान की शैली में बदलाव। शुगर का स्तर कम हो जाना। कैफीन और अल्कोहल का सेवन। मौसम में बदलाव। गर्भनिरोधक गोलियां और अस्थमा का उपचार। यात्रा करना। कुछ खाद्य पदार्थ जैसे चॉकलेट, मांस, नूडल्स, बीयर, रेड वाइन आदि। शारीरिक क्षमता से अधिक कार्य या एक्सरसाइज करना। पूरी नींद ना लेना या रात में देर तक जागना या बहुत ज्यादा सोना। डीहाइड्रेशन।

लक्षण

माइग्रेन के लक्षण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में बदलते रहते हैं, बच्चों में यह सिर के अगले भाग और दोनों तरफ के हिस्सों को प्रभावित करता है। किशोरावस्था और प्रौढ़ावस्था में दर्द सिर के एक हिस्से को प्रभावित करता है। माइग्रेन के सामान्य लक्षण इस प्रकार हैं.. तेज सिरदर्द के साथ चक्कर आना, जी मिचलाना, उल्टी होना या पेट दर्द। रोशनी और आवाजों के प्रति संवेदनशीलता। मस्तिष्क के एक भाग में धुक-धुक की आवाज के साथ तेज दर्द होना। ध्यान केंद्रित करने में समस्या होना। सोचने की क्षमता प्रभावित होना। कभी-कभी बोलते समय उपयुक्त शब्द की तलाश न कर पाना। त्वचा का पीला पड़ जाना। चक्कर आना। उल्टी होना या पेट दर्द।

पूरी टीम और निर्देशक के लिए है बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली। फिल्म गुलमोहर को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। फिल्म को स्पेशल मेंशन और बेस्ट स्क्रीनप्ले के अवॉर्ड से भी नवाजा गया। इसे लेकर अभिनेता मनोज बाजपेयी ने अपनी खुशा जाहिर की है। उन्होंने इसे पूरी टीम के लिए बड़ी उपलब्धि बताया है। मनोज बाजपेयी ने एएनआई के साथ एक बातचीत में कहा कि फिल्म को तीन राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने से वह बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, 'यह पूरी टीम और निर्देशक के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है, जिनकी पहली फिल्म ने तीन राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं।' बता दें कि फिल्म गुलमोहर से शर्मिला टैगोर ने पर्दे पर अपनी वापसी की है।

लाइफ Style

जैस्मिन

अब तो खुल गई पोल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हार्दिक पांड्या और जैस्मिन वालिया की डेटिंग पर अब नया पोस्ट सामने आया है। इसे देखकर लोग हार्दिक और उनका रिलेशन लगभग कन्फर्म मान रहे हैं। जैस्मिन वालिया की एक तस्वीर रेडिट पर शेयर की गई है जिसमें उनके साथ हार्दिक के होने का दावा किया जा रहा है। इस पर लोग जमकर भड़ास निकाल रहे हैं।

रेडिट यूजर ने तस्वीर शेयर करके लिखा है, अब तो धीरे-धीरे रिवील ही हो रहा है पांड्या का डेटिंग। फोटो में जैस्मिन के बगल में एक हाथ दिख रहा है। इस पर टैटू बने हैं। हार्दिक पांड्या के भी हाथों में उसी जगह पर टैटू बने हैं तो माना जा रहा है कि जैस्मिन के साथ पांड्या ही बैठे हैं। इस पोस्ट पर लोग गुस्सा निकाल रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है, ऐसे लोग शादी ही क्यों करते हैं? ऐसे ही रहना था। एक यूजर ने लिखा है, नताशा के दोनों एक्स जैस्मिन नाम की लड़की से डेट कर रहे हैं। एक यूजर का कमेंट है कि नताशा के लिए दुख हो रहा है। पांड्या के फैन्स ने बिना सच जाने एक बच्चे की मां की इतनी बुरी ट्रोलिंग की और उन पर अटैक किया। एक कमेंट है, मुझे नताशा के लिए खुशी हो रही है कि वह टॉक्सिक रिश्ते से बाहर आ गईं।

हार्दिक पांड्या के तलाक की खबरों ने उनके और नताशा स्तांकोविक के फैन्स को तगड़ा झटका दिया था। नताशा जिम में अपने दोस्त के साथ दिखीं तो लोगों ने उन्हें कोसना चालू कर दिया और तलाक का जिम्मेदार ठहराया। नताशा इन सब पर चुप्पी साधे रहीं। दोनों ने तलाक ऑफिशियल किया और नताशा सर्बिया चली गईं। इस घोषणा को एक महीना भी नहीं बीता था कि हार्दिक पांड्या की डेटिंग के चर्चे शुरू हो गए।

हॉलीवुड मसाला

'फॉर एवर डेट' का वीडियो किया साझा

लॉस एंजिल्स। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस हमेशा अपने प्रशंसकों का दिल जीतने के लिए तैयार रहते हैं। दोनों सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और अपनी तस्वीरें फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। अब, गायक और अभिनेता निक जोनस ने प्रियंका चोपड़ा के साथ की एक वीडियो साझा की है। उन्होंने अपने प्रशंसकों को 'फॉर एवर डेट' कैप्शन के साथ एक प्यारा सा वीडियो साझा करके चौंका दिया है। कपल एक-दूसरे को किस करते और खुशी के पलों का आनंद लेते नजर आ रहे हैं।

हैली बेरी और मार्क वालबर्ग का जासूसी रीयूनियन

लॉस एंजिल्स। फिल्म 'द यूनियन' का ट्रेलर शानदार रहा और इसी ने ये फिल्म देखने के लिए प्रेरित भी किया। लेकिन, फिल्म देखने के बाद एक बार फिर समझ आता है कि तीन मिनट का ट्रेलर काटना आसान है, लेकिन उतनी ही चुस्त सौ मिनट की फिल्म बनाना, शायद बहुत कठिन..! फिल्म 'द यूनियन' दो पुराने दोस्तों मार्क वालबर्ग और हैली बेरी का एक तरह से ऑन स्क्रीन रीयूनियन है। फिल्म में भी दोनों स्कूल के दिनों के दोस्त दिखाए गए हैं। फिल्म 'द यूनियन' अपनी कहानी, पटकथा और निर्देशन में मात खाती फिल्म है। निर्देशक जूलियन फारिनो पूरी फिल्म में एक भी दृश्य ऐसा नहीं रच पाए हैं, जिसे किसी स्पाई थ्रिलर का हाईप्वाइंट माना जा सके। माइक को यूनियन का हिस्सा बनाने की वजह क्या रही? और क्यों इस पूरे हो हल्ले में ये किरदार ही बेस्ट फिट है, ये बताने से फिल्म चूक जाती है।

तिरंगा लहराते हो गई बड़ी गलती

नई दिल्ली। शहनाज गिल अक्सर पपाराजी के साथ गपशप करती रहती हैं। हाल ही में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शहनाज को तिरंगे के साथ देखा गया, लेकिन उनसे कुछ ऐसा हो गया कि लोग अब उनकी आलोचना कर रहे हैं। शहनाज का एक वीडियो ऑनलाइन वायरल हो रहा है, जिसमें शहनाज तिरंगे को जमीन के सहारे उठाती नजर आ रही हैं। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शटरबग्स ने शहनाज को भारतीय तिरंगा दिया और रियलिटी शो स्टार ने इसे गर्व के साथ फहराया भी। हालांकि, जब शहनाज झंडा लहरा रही थीं, तो उन्होंने गलती से झंडा नीचे कर दिया और झंडा कई बार जमीन से छू गया। बाद में, उन्होंने झंडा पैप को दे दिया, लेकिन उनकी गलती पर ईगल-आइड नेटिजन्स का ध्यान गया। वीडियो ने कुछ ही समय में लोकप्रियता हासिल कर ली और नेटिजन्स ने कमेंट सेक्शन में शहनाज को उनकी गंभीर गलती के लिए फटकार लगाई।

फिट होने के लिए दोस्तों से मिलना किया बंद

मुंबई। अभिनेता अमोल पराशर पिछली बार फिल्म '36 फार्महाउस' में नजर आए थे, जो साल 2022 में रिलीज हुई थी। अमोल आजकल अपनी फिटनेस पर बहुत ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। उनके द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई ताजा तस्वीरें इस बात की ओर इशारा कर रही हैं कि उन्होंने बीते दिनों एक गठीला बदन तैयार करने के लिए जमकर पसीना बहाया है। अपने वजन को घटाने के लिए अमोल को हर दिन सख्ती से काम करना पड़ा। फिट होने की इस यात्रा के दौरान उन्हें तली हुई चीजें खाने का मन करता था। अमोल स्वास्थ्य को नुकसान देने वाली चीजों को खाने से बचने के लिए घर से बाहर ही नहीं जाते थे। अच्छा शरीर पाने के लिए वो इस हद तक गए कि अपने दोस्तों के साथ बाहर घूमना-फिरना भी बंद कर दिया। इससे उनके सामाजिक जीवन पर भी असर पड़ा था।

टीवी मसाला

कलाकारों ने भाई-बहनों के साथ खट्टे-मीठे रिश्तों का किया खुलासा!

मुंबई। भारत संस्कृति से समृद्ध देश है, जहां रिश्तों को बहुत महत्व दिया जाता है और इनमें से सबसे प्रिय रिश्ता भाई-बहन का होता है। रक्षाबंधन खूबसूरत त्यौहार है, जिसे लोग पूरे उल्लास के साथ मनाते हैं। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर उनकी लम्बी उम्र और सुरक्षा के लिए राखी बांधती हैं। राखी के बदले में भाई अपनी बहनों को उपहार देते हैं और उनकी सुरक्षा करने का वादा देते हैं। इसी बीच इस विशेष अवसर को मनाने को लेकर स्टार भारत के कलाकार आयुषी भावे, शांभवी सिंह और नाकिया हाजी ने अपने भाइयों संग इस दिन से जुड़ीं यादों और उनके बॉन्ड को लेकर कुछ ख़ास बातें दर्शकों से साझा कीं। 'आख़िरी दस्तक' शो की अभिनेत्री आयुषी भावे कहती हैं, रक्षाबंधन मेरे लिए एक बहुत ही ख़ास त्यौहार है, खासकर इसलिए क्योंकि मेरा 5 साल छोटा भाई है, जो मेरा सबसे चहेता और प्यारा दोस्त है। हालांकि वह इस साल घर से दूर रह रहा है और शूटिंग के शेड्यूल चलते व्यक्तिगत रूप से शायद उससे न मिल पाऊं, हम शायद वीडियो कॉल के माध्यम से वर्चुअली अपनी राखी मनाएंगे।

केबीसी 16 : कंटेस्टेंट सुधीर नहीं दे पाए 50 लाख रुपए के सवाल का जवाब

नई दिल्ली। 'कौन बनेगा करोड़पति 16' के लेटेस्ट एपिसोड में उन्नाव के खेड़ा के रहने वाले किसान के बेटे सुधीर वर्मा नजर आए। उन्होंने होस्ट अमिताभ बच्चन के साथ करोड़पति बनने का गेम खेला। सुधीर वर्मा ने शो में मुश्किल से मुश्किल सवालों के जवाब दिए और 25 लाख रुपए जीत लिए। लेकिन 50 लाख के सवाल पर आकर वह अटक गए। वह जवाब नहीं दे पाए और गेम क्विट करना पड़ा। अमिताभ बच्चन ने सुधीर वर्मा से 50 लाख रुपए के लिए एक सवाल पूछा था, जिसका वह जवाब नहीं दे पाए। इस सवाल के लिए उन्होंने लाइफलाइन 'वीडियो ए फ्रेंड' का भी इस्तेमाल किया था, पर सही जवाब नहीं मिला और गेम छोड़ना पड़ा। यह सवाल था- हेनरी वाल्टर्स द्वारा 1830 की जनगणना का विषय कौन सा शहर था, जो ब्रिटिश भारत में किसी शहर की पहली पूर्ण जनगणना में से एक थी? (**A**) मुंबई, (**B**) ढाका, (**C**) मैसूरु, (**D**) लाहौर। सुधीर वर्मा ने ऑप्शन **A** चुना था, पर वह गलत था। सही जवाब ऑप्शन **B** था। हालांकि, सही उत्तर न पता होने पर वह पहले ही गेम छोड़ चुके थे, और उसके बाद उन्होंने अपना अनुमानित जवाब दिया था, जोकि गलत निकला।

जब कॉल आया तो यकीन ही नहीं हुआ

नई दिल्ली। फिल्म 'ऊंचाई' में अपने रोल के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड जीतने के बाद नीना गुप्ता सातवें आसमान पर हैं। उन्हें 30 साल बाद यह सम्मान मिल रहा है और उन्हें लगता है कि यह फिल्म इंडस्ट्री में उनकी कड़ी मेहनत का सही सम्मान है। शुक्रवार (16 अगस्त) को 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा की गई। बातचीत में नीना ने माना कि यह खबर अभी तक लोगों के दिलों में नहीं उतरी है। पुरस्कार मिलने की खबर मिलने के बाद अपनी पहले रिएक्शन को याद करते हुए नीना ने बताया, 'ठीक है मुझे यह खबर आधे घंटे पहले ही मिली और मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई। फिर मैंने एक ब्रेक लिया और अपने मैनेजर से इसे दोबारा जांचने के लिए कहा, बस कन्फर्म करने के लिए। उसके बाद मैं इस खबर से वाकई बहुत खुश और भावुक हो गई। मैं इसे लेकर बहुत एक्साइटेड हूं। सभी दूसरे विनर्स के बीच अपना नाम पढ़ना वाकई बहुत अच्छा लगा।' फिल्म में नीना को उनके हाव-भाव, डायलॉग डिलिवरी और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए सराहा गया। इस खबर के बाद भी नीना ने माना कि यह उनकी कड़ी मेहनत का सम्मान है। नीना ने कहा, 'यह सम्मान दिखाता है कि मेरी कड़ी मेहनत को पहचाना गया। मुझे ऐसा लगता है कि आपको काम करके जाना चाहिए और कभी न कभी फल मिलता है। आज नहीं तो कल (मुझे दृढ़ता से लगता है कि किसी को कड़ी मेहनत पर ध्यान देना चाहिए और यह निश्चित रूप से किसी दिन पहचानी जाएगी और यह मेरे साथ अवॉर्ड के मामले में हुआ है।'

'स्त्री 2' ने 'पठान', 'जवान' सबको चटाई धूल, पहले दिन की कमाई 70 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव अभिनीत फिल्म 'स्त्री 2' गुरुवार 15 अगस्त के अवसर पर रिलीज हुई। इस फिल्म ने पहले ही दिन तूफानी पारी शुरू कर दी है। इसके ओपनिंग डे की कमाई के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। पहले ही दिन फिल्म ने शाहरुख खान की पठान और जवान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। फिल्म की शानदार शुरुआत से श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव बेहद खुश हैं। उन्होंने पोस्ट साझा कर प्रशंसकों का आभार जताया है। श्रद्धा कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्टर साझा किया है। इसमें उन्होंने दर्शकों और प्रशंसकों को शुक्रिया अदा किया है। इस पोस्टर पर फिल्म की पहले दिन की कमाई के आंकड़े दिए गए हैं। इसके मुताबिक इस फिल्म ने पहले ही दिन 76.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर इतिहास रच दिया है। इसी के साथ यह पहले दिन सर्वाधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। 'स्त्री 2' का यह कलेक्शन पेड प्रिव्यू को मिलाकर आया है। श्रद्धा कपूर ने पोस्ट साझा करते हुए हाथ जोड़ने वाले इमोजी बनाए हैं। इसी के साथ राजकुमार राव ने भी एक पोस्टर साझा किया है। उन्होंने इसके साथ लिखा है, 'आपके इस प्यार के लिए तहे दिल से शुक्रिया। यह प्यार मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आपकी मोहब्बत सच्ची है'।

दमदार हीरोइनों का साथ क्यों नहीं देते हमारे हीरो?

अच्छे को-स्टार्स के लिए जूझ रही हैं एक्ट्रेसेस

नई दिल्ली। सशक्त महिला किरदारों के लिए मशहूर एक्ट्रेस तापसी पन्नू के अनुसार, नायिका प्रधान होने के कारण नामी हीरो उनकी फिल्में करने से कतराते हैं। देखा जाए तो तापसी बिल्कुल सही हैं। बॉलीवुड के ज्यादातर हीरो महिला केंद्रित फिल्मों से दूर ही दिखते हैं। हालांकि, हाल ही में आई जाह्नवी कपूर की फिल्म 'उलझ' में गुलशन देवैया और रोशन मैथ्यू साथ खड़े नजर आए तो शरवरी वाघ स्टारर 'वेदा' में जॉन अब्राहम खुद को उनका सारथी कहते दिखे। ऐसे में, क्या मेल एक्टर्स की सोच इस मामले में बदल रही है? एक रिपोर्ट:मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान की 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' में चार सीन और दो गाने करतीं कटरीना कैफ हों या फिर सलमान खान की 'बजरंगी भाईजान' में चंद सीन में दिखतीं करीना कपूर खान, बॉलीवुड की हीरो सेंट्रिक फिल्मों में एक्ट्रेसेस अक्सर साथी या सहयोगी की भूमिका में नजर आती रही हैं।

अच्छे को-स्टार के लिए जूझती हैं एक्ट्रेसेस

बॉलीवुड में एक अरसे से एक्ट्रेसेस पुरुष प्रधान फिल्मों का हिस्सा बनती रही हैं, फिर उनमें उनका रोल हीरो की गर्लफ्रेंड या सिर्फ ग्लैमर जोड़ने भर का क्यों ना रहा है। खास बात यह है कि ज्यादातर एक्ट्रेसेस उसमें भी अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रही हैं। जबकि, वक्त बदलने के साथ अब जब नायिका प्रधान फिल्में भी काफी संख्या में बन रही हैं, हीरोज उनका हिस्सा बनने का साहस नहीं दिखा पाते। मसलन, रणवीर सिंह की 'गली बॉय' में गर्लफ्रेंड सकीना के रोल में आलिया भट्ट दिख जाएंगी, लेकिन आलिया की 'गंगूबाई काठियावाड़ी' या 'जिगरा' में शांतनु माहेश्वरी या वेदांग रैना जैसे नए चेहरे ही नजर आते हैं। अक्षय कुमार की 'बेल बॉटम' या 'जॉली एलएलबी 2' में हुमा कुरैशी आपको दिखेंगी, पर जब वह 'तरला' बनती हैं, तो उनके पार्टनर के तौर पर शारिब हाशमी साथ खड़े दिखते हैं। 'मुल्क' से लेकर 'थप्पड़', 'रश्मि रॉकेट', 'शाबाश मिथु', 'हसीन दिलरुबा' तक अपनी हर फिल्म में दमदार भूमिकाएं निभाने वाली तापसी पन्नू ने कई मौकों पर यह खुलासा किया है कि उन्हें हर फिल्म में अच्छे मेल को-स्टार के लिए संघर्ष करना पड़ा, क्योंकि उनकी फिल्मों में महिला किरदार ज्यादा सशक्त होता है।

मेल एक्टर्स में होती है असुरक्षा

तापसी के मुताबिक, 'ये स्टार अपने अभिनय को लेकर असुरक्षित हैं या उन्हें लगता है कि महिला प्रधान फिल्मों का छोटा हिस्सा बनने से उनका स्टार पावर कम हो जाएगा।' तापसी के होम प्रॉडक्शन की पहली फिल्म 'ब्लर' और हाल ही जाह्नवी कपूर की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'उलझ' में नजर आए एक्टर गुलशन देवैया भी एक हद तक ऐसी असुरक्षा पर सहमति जताते हैं। इस बारे में गुलशन कहते हैं, 'ऐसी इनसिक्योरिटीज होती हैं। पहले मेरे अंदर भी इस चीज को लेकर असुरक्षा की भावना थी। एक वक्त पर मुझे भी इन चीजों से फर्क पड़ता था कि पता नहीं करना चाहिए या नहीं, लेकिन मैंने तय किया कि मुझे इन इनसिक्योरिटीज से बाहर निकलना है। अब मैं वही काम करता हूं जो मुझे इंट्रेस्टिंग लगता है। अब मैं ये सब नहीं सोचता कि मेरे साथ कौन सीन में है, मुझे सीन में चमकने का मौका मिलेगा या नहीं।

सोच में आ रहा बदलाव!

शरवरी वाघ की अपकमिंग फिल्म 'वेदा' में वह टाइटल रोल में हैं, जबकि उनके मेंटॉर बने जॉन अब्राहम एक सीन में कहते हैं- मैं सिर्फ सारथी हूं! हालांकि, फिल्म में जॉन की भूमिका भी काफी अहम और दमदार लग रही है। लेकिन अगर आने वाले दिनों में हमारे हीरो भी हीरोइनों को बराबर मानकर उनके साथी या सारथी बनने लगें तो यह बदलाव वाकई सुखद होगा। 'डार्लिंग्स' और 'उलझ' जैसी हिंदी फिल्मों में नजर आए साउथ फिल्मों के चर्चित एक्टर रोशन मैथ्यू कहते हैं, 'मैं हिंदी में तीन फिल्में 'चोक्ड', 'डार्लिंग्स' और 'उलझ' की हैं और ये तीनों ही फीमेल सेंट्रिक है। ये फिल्में साइन करते वक्त मैंने इस बात पर गौर तक नहीं किया। शायद मैं थिएटर के बैकग्राउंड से हूं, इसलिए ये चीजें मेरे दिमाग में नहीं आतीं।' वहीं, अपनी फिल्म 'हसीन दिलरुबा' का सीक्वल 'फिर आई हसीन दिलरुबा' लेकर आ रहीं राइटर-को प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लन कहती हैं, 'मेरा मानना है कि आप जिस एक्टर्स के पास कहानी लेकर जाएंगे, उसे जस्टिफाई करना पड़ेगा कि वह रोल उसके लायक है।

खबर संक्षेप

ईकॉम एक्सप्रेस ने आईपीओ लाने सेबी को दिया आवेदन

नई दिल्ली। ईकॉम एक्सप्रेस लिमिटेड ने आरंभिक सार्वनजिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 2,600 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं। सेबी के समक्ष दाखिल आईपीओ निर्गम 1,284.50 करोड़ रुपये के ताजा शेयर और 1,315.50 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश का संयोजन है।

सोना 400 रुपए टूटा, चांदी में 800 रुपए का उछाल

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में उछाल के बीच स्थानीय सराफा बाजार में शुक्रवार को सोने का भाव 400 रुपये की गिरावट के साथ 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 73,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। 'स्वतंत्रता दिवस' के मौके पर बृहस्पतिवार को बाजार बंद रहा था।

स्मार्टवर्क्स का आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल

नई दिल्ली। स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेस लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। सेबी के समक्ष दाखिल आईपीओ दस्तावेज के अनुसार, प्रस्तावित निर्गम 550 करोड़ रुपये के ताजा शेयर और 67.59 लाख शेयर की बिक्री पेशकश का संयोजन है।

ओरिएंट टेक्नोलॉजीज का आईपीओ 21 को खुलेगा

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाता ओरिएंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के 215 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 195-206 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि शुरुआती शेयर बिक्री 21 अगस्त को खुलकर 23 अगस्त बंद होगी।

रिलायंस पावर का घाटा जून तिमाही में घटकर 98 करोड़

नई दिल्ली। रिलायंस पावर का जून, 2024 को समाप्त तिमाही में एकीकृत घाटा कम होकर 97.85 करोड़ रुपये रह गया है। आमदनी में सुधार से उसका घाटा कम हुआ है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जून अवधि में कंपनी को 296.31 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। उसकी आय 1,951.23 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,069.18 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

जयप्रकाश एसोसिएट्स का घाटा बढ़कर 1,023 करोड़

नई दिल्ली। कर्ज के बोझ में दबी जयप्रकाश एसोसिएट्स का एकीकृत शुद्ध घाटा चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में बढ़कर 1,023.44 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध घाटा 180.80 करोड़ रुपये रहा था। जयप्रकाश एसोसिएट्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी कुल आमदनी जून तिमाही में बढ़कर 1,770.66 करोड़ रुपये हो गई है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,505.23 करोड़ रुपये थी।

मस्क के पास भी नहीं है इतनी दौलत, जितना बफे की कंपनी के पास है कैश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दुनिया भर के शेयर बाजारों के निवेशक इन दिनों दिग्गज इन्वेस्टर वारेन बफे की नकदी के जमा होते पहाड़ से हैरान हो रहे हैं। मुख्य रूप से शेयरों में पैसे लगाकर कमाई करने वाले वारेन बफे लगातार अपनी होल्डिंग कम कर रहे हैं और कैश रिजर्व बढ़ा रहे हैं। अभी तो हाल ऐसा हो गया है कि कैश के विशाल पहाड़ के सामने दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की कुल संपत्ति छोटी लगने लगी है।

- वारेन लगातार अपनी होल्डिंग कम कर रहे और कैश रिजर्व बढ़ा रहे

जून तिमाही के समाप्त होने के बाद वारेन बफे की कंपनी बर्कशायर हाथवे के पास कैश रिजर्व रिकॉर्ड 276.9 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। यह बर्कशायर हाथवे की कुल संपत्ति के 25 फीसदी के बराबर है। कुल संपत्ति में कैश की इतनी हिस्सेदारी इससे पहले 2005 में देखी गई थी, जब आर्थिक मंदी के चलते वारेन बफे ने अपनी होल्डिंग कम कर दी थी और कैश रिजर्व बढ़ाने पर फोकस शिफ्ट कर दिया था।

बफे ने मुख्य रूप से शेयरों में पैसे लगाकर कमाई की

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति की कुल संपत्ति

वारेन बफे की कंपनी के भंडार में पड़ा कैश का यह आंकड़ा दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति की कुल दौलत से काफी बड़ा है। फोर्ब्स की रियलटाइम बिलेनियर्स लिस्ट के हिसाब से एलन मस्क अभी 243.7 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। वहीं ब्लूमबर्ग की बिलेनियर्स लिस्ट के हिसाब से वह 239 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले पायदान पर हैं।

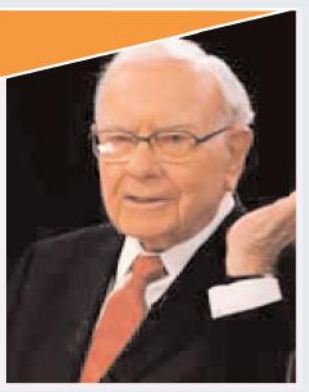

एक तिमाही में 110 बिलियन डॉलर बढ़ा कैश

वारेन बफे की कंपनी के पास कैश का आंकड़ा जून तिमाही में बेतहाशा बढ़ा है। उससे पहले मार्च तिमाही में वारेन बफे की कंपनी बर्कशायर हाथवे का कैश रिजर्व 167.6 बिलियन डॉलर से बढ़कर 189 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया था। अब वह 276.9 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। यानी सिर्फ जून तिमाही में यानी अप्रैल से लेकर जून तक के 3 महीनों में बर्कशायर हाथवे के कैश रिजर्व में लगभग 110 बिलियन डॉलर की भारी-भरकम बढ़ोतरी हुई है।

बफे अमीरों की सूची में 9वें स्थान पर

वारेन बफे भी दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में टॉप-10 में शामिल हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स पर वरेन बफे की नेटवर्थ 139 बिलियन डॉलर बताई गई है और उन्हें 9वें स्थान पर रखा गया है। वहीं फोर्ब्स की रियलटाइम लिस्ट में वारेन बफे 138.7 बिलियन डॉलर की दौलत के साथ दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में छठे स्थान पर हैं।

तेजी से निवेशकों की संपत्ति 7.30 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

अमेरिका में मंदी की आशंका कम होने से शेयर बाजार झूमा, सेंसेक्स 1,331 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अमेरिका में मंदी की आशंका कम होने से वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच स्थानीय शेयर बाजार में सूचना प्रौद्योगिकी शेयरों में खरीदारी से शुक्रवार को बड़ी बढ़त दर्ज की गई। सेंसेक्स 1,331 अंकों की छलांग के साथ दो सप्ताह के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ जबकि निफ्टी 397 अंक चढ़कर 24,500 अंक के स्तर से ऊपर बंद हुआ। बाजार में तेजी से निवेशकों की संपत्ति 7.30 लाख करोड़ रुपये बढ़ी।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 1,330.96 अंक यानी 1.68 प्रतिशत उछलकर 80,436.84 अंक पर बंद हुआ। यह इसका दो महीने से अधिक समय में एक दिन के कारोबार का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 1,412.33 अंक यानी 1.78 प्रतिशत तक उछलकर 80,518.21 अंक पर पहुंच गया था।

टेक महिंद्रा में रही बढ़त

निफ्टी 397.40 अंक यानी 1.65 प्रतिशत बढ़कर दो सप्ताह के उच्चतम स्तर 24,541.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, आईसीआईसीआई बैंक और टाटा स्टील के शेयर सर्वाधिक बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में सिर्फ सन फार्मा में गिरावट रही।

साप्ताहिक आधार पर 731 अंक की बढ़त

बीएसई मिडकैप में 1.8 प्रतिशत की तेजी आई जबकि स्मॉलकैप 1.7 प्रतिशत की बढ़त में रहा। साप्ताहिक आधार पर बीएसई सेंसेक्स में 730.93 अंक यानी 0.91 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई जबकि एनएसई निफ्टी 173.65 अंक यानी 0.71 प्रतिशत उछला।

एशियाई बाजार चढ़कर बंद

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग ऊपर चढ़कर बंद हुए। यूरोप के अधिकांश बाजार भी बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। बृहस्पतिवार को अमेरिकी बाजार तेज बढ़त के साथ बंद हुए थे।

जापानी येन की स्थिरता से बाजार हुआ मजबूत
जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'जापानी येन की स्थिरता वैश्विक बाजार को मजबूत करने में मददगार रही है।

- सूचना प्रौद्योगिकी शेयरों की खरीदारी से बड़ी बढ़त दर्ज
- निफ्टी 397 अंक चढ़कर 24,500 अंक के पार
- सेंसेक्स के 30 शेयरों में सिर्फ सन फार्मा में गिरावट रही

मिडकैप और स्मॉलकैप में रही तेजी

स्टॉक्सबॉक्स के तकनीकी एवं डेरिवेटिव विश्लेषक अवधूत बागकर ने कहा, "वैश्विक बाजारों की सकारात्मक धारणा का अनुसरण करते हुए भारत के प्रमुख सूचकांकों में भी खासी तेजी रही। बाजार में बढ़त काफी व्यापक रही क्योंकि मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी बढ़त देखी गई। स्थानीय स्तर पर उतार-चढ़ाव कम होने से भी बाजार को मजबूती मिली।"

डीआईआई खरीदार रहे

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,595.27 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) लिवाल रहे और उन्होंने 2,236.21 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक बेंट क्रूड 1.22 प्रतिशत गिरकर 80.05 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

निवेशकों की संपत्ति 7.30 लाख करोड़ बढ़ी

स्थानीय शेयर बाजारों में जोरदार तेजी के बीच शुक्रवार को निवेशकों की संपत्ति में 7.30 लाख करोड़ रुपये का बड़ा उछाल देखा गया। इस तेजी का असर बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण पर पड़ा और यह एक ही सत्र में 7,30,389.86 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसी के साथ इन कंपनियों का सम्मिलित रूप से बाजार पूंजीकरण बढ़कर 4,51,59,833.55 करोड़ रुपये (5.38 लाख करोड़ डॉलर) हो गया।

अदाणी पावर बांग्लादेश को बिजली की आपूर्ति जारी रखेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अदाणी पावर ने शुक्रवार को कहा कि वह अपने 1,600 मेगावाट क्षमता वाले झारखंड संयंत्र से बांग्लादेश को बिजली की आपूर्ति जारी रखेगी। इस संयंत्र से उत्पादित 100 प्रतिशत बिजली की आपूर्ति बांग्लादेश को की जानी थी।

बिजली मंत्रालय ने इस महीने की शुरुआत में निर्यातोन्मुख इकाई के रूप में स्थापित संयंत्रों से भारत के भीतर बिजली बेचने की अनुमति देने के लिए बिजली आयात/निर्यात दिशानिर्देशों में संशोधन किया था।

संशोधन में प्रावधान है कि सरकार ऐसे उत्पादन संयंत्र को भारतीय ग्रिड से जोड़ने की अनुमति दे सकती है, जो अपनी पूरी या आंशिक क्षमता को लगातार निर्यात नहीं कर पा रहे हैं या जहां बिजली खरीद समझौते (पीपीए) के तहत भुगतान में देरी सहित किसी भी चूक की स्थिति बन रही है। भारत के भीतर बिजली की बिक्री को सुविधाजनक बनाने के लिए ऐसा किया गया। अदाणी पावर का 1,600 मेगावाट क्षमता वाला गोड्डा संयंत्र शायद देश का एकमात्र संयंत्र है, जिसे बांग्लादेश को 100 प्रतिशत बिजली आपूर्ति की प्रतिबद्धता के साथ स्थापित किया गया है।

अदाणी पावर ने बयान में कहा कि भारत के बिजली निर्यात दिशानिर्देशों में संशोधन एक सार्वभौमिक प्रावधान है, जिसका मकसद मौजूदा व्यवस्थाओं में बदलाव किए बिना बिजली निर्यात प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित बनाना है।

- झारखंड संयंत्र से 1600 मेगावाट की बिजली की आपूर्ति

दायित्व पूरा करने कंपनी प्रतिबद्ध

कंपनी ने कहा, "हम अपने गोड्डा संयंत्र से बांग्लादेश को निर्बाध बिजली दे रहे हैं। हम बांग्लादेश को भरोसेमंद बिजली आपूर्ति के महत्व को समझते हैं और बांग्लादेश विद्युत विकास बोर्ड (बीपीडीबी) की मांग अनुसूची तथा पीपीए के प्रावधानों के अनुसार समझौते के दायित्वों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

जूट उत्पादों पर डंपिंग-रोधी शुल्क की समीक्षा की मांग

- आईजेएमए ने जूट उद्योग की बिगड़ती स्थिति पर चिंता जताई

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

भारतीय जूट मिल संघ (आईजेएमए) ने देश के जूट उद्योग की बिगड़ती स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय को हाल ही में लिखे पत्र में संघ ने आयात में वृद्धि, सरकारी क्षेत्र की मांग में उतार-चढ़ाव और बढ़ती परिचालन लागत को महत्वपूर्ण चुनौतियों के रूप में उद्धृत किया।

आईजेएमए ने बांग्लादेश सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रतिपूरक सब्सिडी (सीवीडी) की जांच और बांग्लादेश और नेपाल से जूट उत्पादों पर डंपिंग-रोधी शुल्क (एडीडी) की समीक्षा का अनुरोध किया है। पत्र में कहा गया है कि मौजूदा डंपिंग-रोधी शुल्कों के बावजूद बांग्लादेश और नेपाल अ भी गैर-सरकारी जूट सामान बाजार में 55 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं, जिसका मूल्य 3,500 करोड़ रुपये है। संघ ने डंपिंग-रोधी शुल्क (एडीडी) की अंतरिम समीक्षा के लिए आवेदन दायर किया है और मंत्रालय से सब्सिडी रोधी जांच शुरू करने का भी आग्रह किया है। आईजेएमए के पत्र में कहा कि रिपोर्टों के विपरीत, बांग्लादेशी सरकार ने विविध जूट उत्पादों पर सब्सिडी बढ़ा दी है।

अल्ट्राटेक 2027 तक 20 करोड़ टन की क्षमता पार कर जाएगा

नई दिल्ली। सीमेंट उत्पादक अल्ट्राटेक सीमेंट के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि अधिग्रहण एवं विस्तार परियोजनाओं की मदद से कंपनी को वित्त वर्ष 2026-27 तक उत्पादन क्षमता 20 करोड़ टन प्रति वर्ष हो जाने की उम्मीद है। आदित्य बिड़ला समूह के प्रमुख बिड़ला ने अल्ट्राटेक की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि कंपनी ने सीमेंट क्षेत्र में इतने बड़े पैमाने पर क्षमता विस्तार अभियान शुरू किया है जो वैश्विक स्तर पर अभूतपूर्व है। अल्ट्राटेक ने पिछले महीने तमिलनाडु स्थित इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड (आईसीएल) के अधिग्रहण की घोषणा की। इसके अलावा अल्ट्राटेक केसोराम इंडस्ट्रीज से भी केसोराम सीमेंट बिजनेस का अधिग्रहण कर रही है। अल्ट्राटेक अपने मौजूदा संयंत्रों की क्षमता भी बढ़ा रही है। असल में अल्ट्राटेक को अदाणी समूह की अंबुजा सीमेंट्स से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में एफडीआई 30 फीसदी घटी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 30 प्रतिशत घटकर 5,037.06 करोड़ रुपये रह गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 2022-23 के दौरान 7,194.13 करोड़ रुपये का एफडीआई आया था। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने लोकसभा में पेश आंकड़ों में बताया कि इस क्षेत्र में एफडीआई 2021-22 में 5,290.27 करोड़ रुपये और 2020-21 में 2,934.12 करोड़ रुपये रहा। इससे पहले खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में एफडीआई 2019-20 में 6,414.67 करोड़ रुपये, 2018-19 में 4,430.44 करोड़ रुपये, 2017-18 में 5,835.62 करोड़ रुपये, 2016-17 में 4,865.85 करोड़ रुपये और 2015-16 में 3,312 करोड़ रुपये था। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में विदेशी निवेश को बढ़ाने के लिए मंत्रालय ने कई कदम उठाए हैं, जिसमें क्षेत्रीय नियमों के अधीन खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए स्वतः मंजूर मार्ग से 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति शामिल है।

- पिछले वित्त वर्ष में घटकर 5,037 करोड़ रुपए रही

सभी प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुओं को छूट

इसके साथ ही भारत में बने खाद्य उत्पादों के संबंध में ई-कॉमर्स सहित अन्य व्यापार के लिए सरकारी अनुमोदन मार्ग के तहत 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी गई है। सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के तहत लाइसेंसिंग के दायरे से सभी प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुओं को छूट दी है।

भारत, यूएई के साथ हुए एफटीए के तहत आभूषणों पर शुल्क कटौती वापस ले

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सरकार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीएफ) में प्लैटिनम, चांदी, हीरे, सोने के आभूषणों पर शुल्क कटौती की रियायत वापस लेने तथा इसके मूल्य संवर्धन नियमों में बदलाव पर ध्यान देना चाहिए।

आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने शुक्रवार को एक बयान में यह बात कही। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 18 फरवरी 2022 को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए थे। इसे आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है और यह एक मई 2022 को लागू किया गया। सरकार अब यूएई के साथ मुक्त व्यापार समझौते के कुछ प्रावधानों की समीक्षा पर विचार कर रही है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, इस समझौते में अगले कुछ वर्षों में भारत में शुल्क मुक्त सोना, चांदी, प्लैटिनम और हीरे के असीमित आयात का प्रावधान है और इससे घरेलू उद्योग को नुकसान होगा। जीटीआरआई ने आरोप लगाया कि समझौते में मूल नियमों का दुरुपयोग होने की आशंका है। इस कारण भारत को सीईपीए की समीक्षा करनी चाहिए।

मूल्य संवर्धन गणना से लाभ मुनाफे को बाहर रखा जा सके) और सीईपीए लाभों का फायदा उठाने के लिए महंगे उत्पादों (चांदी की छड़ों) को सस्ते उत्पादों (चांदी के दानों) में बदलने पर प्रतिबंध लगाने'' जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

- जीटीआरआई का चांदी, हीरे, सोने के आभूषणों पर सरकार को सुझाव
- दोनों ने 18 फरवरी 2022 को एफटीए पर हस्ताक्षर किए थे

दुबई के रास्ते रूस से आयात रोके

जीटीआरआई ने सरकार से दुबई के रास्ते रूस से प्रतिबंधित धातुओं के आयात को रोकने तथा दुरुपयोग के कारण गिफ्ट सिटी बुलियन एक्सचेंज को दिए गए विशेषाधिकारों को रद्द करने को भी कहा। समीक्षा का मुख्य मकसद बड़े पैमाने पर बुलियन आयात में कमी लाना तथा दुबई से बुलियन आयात के दुरुपयोग को रोकने के लिए उत्पत्ति के नियमों को कड़ा करना होना चाहिए।

बीएमडब्ल्यू चीन में 13 लाख से अधिक वाहन वापस मंगाएगी

- एयरबैग खुलने पर इन्फ्लेटर फटने की आशंका
- ये वाहन वर्ष 2005 से 2017 के बीच बने है

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

लग्जरी वाहन विनिर्माता बीएमडब्ल्यू चीन में टकाटा एयरबैग इन्फ्लेटर से लैस करीब 13 लाख वाहनों को वापस मंगा रही है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

चीन के सरकारी बाजार विनियमन प्रशासन ने एक बयान में कहा कि बीएमडब्ल्यू के इस फैसले के दायरे में वर्ष 2005 से 2017 के बीच चीन में बने लगभग 6,00,000 वाहन और 2003 से 2018 के बीच आयात किए गए 7.50 लाख वाहन शामिल हैं। इन वाहनों में बीएमडब्ल्यू की सीरीज-1 से लेकर सीरीज-6 कारों के अलावा एक्स1, एक्स3, एक्स4, एक्स5 और एक्स6 एसयूवी जैसे कई मॉडल शामिल हैं।

वाहनों को वापस मंगाने के पीछे यह कारण बताया गया है कि एयरबैग खुलने पर इन्फ्लेटर फटने की आशंका रहती है। ऐसा होने पर कार में टुकड़े जा सकते हैं जिससे वाहन में सवार लोग घायल हो सकते हैं। दरअसल, वर्ष 2009 से लेकर अबतक अमेरिका, मलेशिया और ऑस्ट्रेलिया में कम-से-कम 35 लोगों की मौत के लिए टकाटा एयरबैग इन्फ्लेटर को दोषी ठहराया जा चुका है।

कंफर्ट और सेफ्टी के नए फीचर जोड़े गए

महिंद्रा थार रॉक्स 6 एयरबैग के साथ 12.99 लाख की कीमत में लांच

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने भारतीय बाजार में थार रॉक्स लांच कर दी है। ये कंपनी की सबसे पॉपुलर एसयूवी थार का 5-डोर वर्जन है। इसमें मौजूदा 3-डोर थार वाली ऑफ-रोड टेक्नोलॉजी दी गई है। कार में कंफर्ट और सेफ्टी के लिए नए फीचर जोड़े गए हैं।

- सबसे पॉपुलर एसयूवी थार का 5 डोर वर्जन है

थार रॉक्स में नई 6-स्लेट ग्रिल, ऑल एलईडी लाइटिंग सेटअप, 10.25-इंच टचस्क्रीन, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट और ऑटो एसी जैसे फीचर दिए गए हैं। सुरक्षा के लिए नई एसयूवी 6 एयरबैग स्टैंडर्ड, टीपीएमएस और एडास जैसे सेफ्टी फीचर से लैस है।

इंटीरियर : थार रॉक्स का केबिन ब्लैक एंड व्हाइट थीम पर बेस्ड है। सीटों पर व्हाइट लेदरेट अपहोल्स्ट्री और डैशबोर्ड पर कॉन्ट्रास्ट कॉपर स्टिचिंग के साथ ब्लैक लेदरेट रेपिंग की गई है। इसमें फ्रंट पैसेंजर के लिए भी एक सेंटर आर्मरेस्ट दिया गया है।

एक्सटीरियर : थार रॉक्स का डिजाइन 3-डोर थार की तरह ही ट्रेडिशनल बॉक्सी प्रोफाइल वाला है, लेकिन इसमें कई बदलाव किए गए हैं। एसयूवी में सी-शेप एलईडी डीआरएल के साथ एलईडी हेडलाइट और नई बॉडी कलर 6-स्लेट ग्रिल दी गई है। फ्रंट बंपर पर कुछ सिल्वर एलिमेंट्स भी दिए गए हैं। फॉग लाइट और टर्न इंडिकेटर 3 डोर थार की तरह उसी जगह हैं, लेकिन इनका डिजाइन बदला गया है।

सेफ्टी फीचर

सुरक्षा के लिए 6 एयरबैग (स्टैंडर्ड), 360 डिग्री कैमरा सेटअप, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल जैसे सेफ्टी फीचर दिए गए हैं। थार रॉक्स में एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम भी दिया गया है, जिसमें लेन कीप असिस्ट और अडेप्टिव क्रूज कंट्रोल जैसे फंक्शन मिलते हैं।

नई थार स्टैंडर्ड थार से 1.64 लाख रुपए महंगी

कार के बेस पेट्रोल एमएक्स1 वैरिएंट की कीमत 12.99 लाख रुपए और बेस डीजल मॉडल की कीमत 13.99 लाख रुपए (दोनों कीमतें एक्स-शोरूम, इंट्रोडक्टरी) है। नई थार रॉक्स स्टैंडर्ड 3 डोर थार से 1.64 लाख रुपए ज्यादा महंगी है। अन्य वैरिएंट की कीमत जल्द बताई जाएंगी। एसयूवी की बुकिंग शुरू कर दी गई हैं। इसकी डिलीवरी अगले महीने शुरू होने की उम्मीद है।

पैनोरमिक सनरूफ : साइड प्रोफाइल की बात करें तो यहां आपको दो एक्स्ट्रा डोर नजर आएंगे और पीछे वाले डोर हैंडल को सी-पिलर पर फिट किया गया है।

RAJHIN/2014/56327
संजीवनी टुडे | डाक पंजीयन सं.जयपुर सिटी/003/2017-19

कई प्राथमिकताओं पर जोर

भ्रष्टाचार के दीमक से देश परेशान, इसे खत्म करना होगा

स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से पीएम मोदी ने दिया सबसे बड़ा संबोधन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस पर पीएम मोदी ने लगभग 97 मिनट तक देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सबसे ज्यादा सरकार की जिस प्राथमिकताओं पर जोर दिया उसमें विकसित भारत 2047 पर जोर रहा। उन्होंने महिलाओं पर हो रहे अत्याचार , देश को इंडस्ट्रियल हब, गेमिंग में भारत के फ्यूचर को बढ़ाने, 6जी नेटवर्क, भारत न्याय संहिता, सेक्यूलर सिविल कोर्ट से बातों पर फोकस किया। बिहार के नालंदा यूनिवर्सिटी पर फोकस किया तो युवा शक्ति का भी ध्यान रखा।

भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग खत्म नहीं होगी

पीएम मोदी आज लाल किले से भ्रष्टाचार पर कहर बनकर टूटे. उन्होंने कहा कि हमारे सभी देशवासी भ्रष्टाचार के दीमक से परेशान है। हमने व्यापक रूप से भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ी है। मैं जानता हूं, इसकी कीमत मुझे और मेरी प्रतिष्ठा को चुकानी पड़ती है। लेकिन, राष्ट्र से बड़ी मेरी प्रतिष्ठा नहीं हो सकती और राष्ट्र के सपनों से बड़ा मेरा सपना नहीं हो सकता। इसलिए ईमानदारी के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ मेरी लड़ाई जारी रहेगी। पीएम मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचारियों का बॉयकाट जरूरी है। नहीं तो जो भ्रष्टाचार नहीं करते हैं उनको लगेगा कि इससे समाज में पावरफुल माना जाता है, इससे वे भी इसके ओर कदम बढ़ा लेते हैं। इसलिए जरूरी है इस प्रयास को रोका जाए। उन्होंने कहा- कुछ लोग प्रगति देख नहीं सकते। जब तक उनका खुद का भला हो उन्हें किसी का भला नहीं दिख सकता। वो निराशा में गर्त में डूबे हुए लोग हैं।

यूसीसी की चर्चा सुप्रीम कोर्ट ने भी की

यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार यूसीसी पर चर्चा की है। अनेक बार आदेश दिए हैं, क्योंकि देश का एक बहुत बड़ा वर्ग मानता है और एक सच्चाई भी है कि जिस सिविल कोड को लेकर हम जी रहे हैं वह एक कम्युनल सिविल कोड है। यह एक प्रकार का भेदभाव करने वाला सिविल कोड है।

यह बुद्ध का देश... युद्ध हमारी राह नहीं

पीएम मोदी ने देश के चुनौतियों पर ध्यान आकर्षित किया. उन्होंने कहा कि चुनौतियां हैं, देश के भीतर भी हैं और बाहर भी हैं। मैं ऐसी शक्तियों को कहना चाहता हूं कि भारत का विकास किसी के लिए संकट लेकर नहीं आता। जब हम विश्व में समृद्ध थे, तब भी हमने विश्व को कभी युद्ध में नहीं झोंका। हम बुद्ध का देश हैं, युद्ध हमारी राह नहीं है।

युवाओं को विदेश में पढ़ने के लिए नहीं होना पड़ेगा मजबूर

प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से युवाओं के लिए नया वादा किया है। उन्होंने कहा कि अब हमारे मिडिल क्लास के युवाओं के पढ़ाई के विदेश नहीं जाना पड़ेगा. उन्होंने कहा कि अगले 5 सालों में 75 हजार मेडिकल की सीटें बढ़ाई जाएंगी।

भारत इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग का हब होगा

पीएम मोदी देश के उद्योग जगत के लिए भी खुशखबरी लाए। उन्होंने कहा कि वो दिन दूर नहीं है जब भारत इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग का हब होगा विश्व के बहुत सारे उद्योगपति भारत में निवेश करना चाहते हैं। मैं राज्य सरकारों से आग्रह करता हूं कि आप निवेशकों को आकर्षित करने के लिए स्पष्ट नीति निर्धारित करें, कानून-व्यवस्था के संबंध में उन्हें आश्वासन दीजिए. राज्यों के बीच निवेशकों को अपनी तरफ खींचने के लिए प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में रेप और हत्या का मामला, कोलकाता में बवाल, मंत्री प्रधान का निशाना

ममता का 'वाम और राम' पर दोष मढ़ना बेहद घिनौना शर्मनाक व निंदनीय कृत्य, राजनीति नहीं होनी चाहिए

मामले में देशभर में धरना प्रदर्शन, सड़कों पर फूटा लोगों का गुस्सा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि परास्नातक महिला प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में ''राजनीति के लिए कोई जगह नहीं'' होनी चाहिए। बनर्जी ने आरोप लगाया था कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में तोड़फोड़ के पीछे विपक्षी दलों का हाथ है। प्रधान ने कहा कि बनर्जी कि इस मामले में लीपापोती करने और अपराधियों को बचाने की कोशिश गंभीर सवाल खड़ा करती है। 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बंगाल में बार-बार पूरी व्यवस्थागत विफलता देखने को मिली है। लेकिन दोष 'वाम और राम' पर लगा दिया जाता है। ममता का बयान बेहद घिनौना, शर्मनाक और निंदनीय है। ममता अपने कुशासन के लिए 'एलियंस' और परग्रहियों को भी दोषी ठहराएंगी।

तुष्टिकरण की राजनीति बंद करें ममता

उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति को अपनी राजनीति का आधार बनाकर ममता को अपनी घोर विफलताओं को छिपाने के लिए अभी भी भगवान राम की शरण लेनी पड़ रही है। न्याय मिलना चाहिए और अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। महिला चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या की घटना को लेकर राजनीति के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

ममता से न्याय में निष्पक्षता की उम्मीद नहीं

प्रधान ने कहा कि ममता से महिलाओं की सुरक्षा, त्वरित सुनवाई, न्याय और निष्पक्षता की उम्मीद करना बेमानी है। अपराध के संबंध में एक दिन बाद एक नागरिक स्वसेवी को गिरफ्तार किया गया था। अज्ञात बदमाशों ने गुरुवार की मध्य रात्रि के बाद अस्पताल में प्रवेश कर कुछ हिस्सों में तोड़फोड़ की थी।

पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया

कोलकाता में सीजीओ कॉम्प्लेक्स के बाहर प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ता और पुलिस कर्मी आपस में भिड़ गए। पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि ममता हमें चुप कराने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि वेकह रही हैं कि वे चाहती हैं कि दोषियों को फांसी हो, लेकिन हकीकत में वेऐसा नहीं चाहतीं, हमारा विरोध जारी रहेगा। हम हाई कोर्ट जाएंगे। अग्निमित्रा पॉल और रूपा गांगुली ने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। भाजपा ने ममता से इस्तीफा देने की मांग की है।

देशभर में डॉक्टरों ने किया विरोध प्रदर्शन

दिल्ली, आंध्र प्रदेश और हैदराबाद समेत कई राज्यों में 'उबाल'

दुष्कर्म और हत्या के विरोध में आंध्र प्रदेश के मंगलगिरी स्थित एम्स के जूनियर डॉक्टर और मेडिकल छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया । दिल्ली के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, मुंबई के नायर अस्पताल, दिल्ली के आरएमएल मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने भी धरना प्रदर्शन दिया। हैदराबाद के गांधी अस्पताल में जूनियर डॉक्टरों और मेडिकल छात्रों ने प्रदर्शन किया। गुरु नानक देव अस्पताल के छात्रों ने विरोध जताया। भोपाल में गांधी मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर्स ने धरना प्रदर्शन दिया।

चिकित्सकों के कई संगठनों ने भी किया प्रदर्शन

भारतीय चिकित्सा संघ ने कोलकाता की घटना के विरोध में 17 अगस्त को चिकित्सा सेवाएं बंद रखने का ऐलान किया है। फोरडा और आईएमए के साथ ही फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन और दिल्ली स्थिति एम्स समेत इंदिरा गांधी अस्पताल के डॉक्टर्स ने भी विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है।

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु ने किया सवाल

ये घटना नहीं मानसिकता, यूपी के दो लड़के चुप क्यों?

भाजपा सांसद व प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने इस मामले पर कांग्रेस व सपा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अब यूपी के दो लड़के चुप क्यों हैं?उन्होंने कहा कि ये घटना नहीं मानसिकता है। कोलकाता दुष्कर्म कांड पर सपा व कांग्रेस के नेता चुप हैं। सपा अपराधियों को संरक्षण देती है। यही कारण है कि कन्नौज और अयोध्या के मामले में सपा का असली चेहरा सामने आया है।उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी ने नारा दिया था कि लड़की हूं, लड़ सकती हूं। वह चुप क्यों हैं? उनके मुंह में क्यों दही जमा है? राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान में क्या सिर्फ भ्रष्टाचारी ही बचे हैं?

केंद्रीय मंत्री चिराग ने कहा

ममता सरकार, प्रशासन पूरी तरह से फेल

ममता के बयान पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि आपकी सरकार, शासन-प्रशासन पूरी तरह से नाकामयाब रही। एक महिला मुख्यमंत्री के रहते हुए इस तरह की घटना को वहां पर अंजाम दिया गया। उसके बाद सबूतों को मिटाने की सोच के साथ आधी रात के बाद वहां पर असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़ फोड़ की गई।

ममता ने राम -वाम को बताया दोषी

आरजी कर बलात्कार और हत्या मामले में बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी महिला विधायकों और सांसदों के साथ सड़क पर उतरी। इस मामले में आरोपियों को फांसी देने की मांग की है। वे विधायकों और सांसदों के साथ पैदल चली। उन्होंने आरोप लगाया कि सीपीएम और भाजपा ने ही अस्पताल में तोड़फोड़ की है। उन्होंने राम और वाम को जिम्मेदार बताया है।

अस्पताल में तोड़फोड़ पर हाईकोर्ट का सवाल

अस्पताल बंद करना ही बेहतर,7 हजार लोग एक साथ पैदल कैसे घुसे?

लेडी डॉक्टर के साथ रेप और हत्या की घटना के बाद अस्पताल में तोड़फोड़ पर कोलकाता हाई कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है।हाई कोर्ट ने कहा है कि बेहतर है अस्पताल को बंद कर दिया जाए। यह घटना राज्य मशीनरी की पूरी नाकामी का सबूत है। राज्य सरकार क्या कर रही है? हाई कोर्ट ने कहा कि अगर 7000 लोग एक साथ अंदर आते हैं तो यह राज्य सरकार की विफलता नहीं है?

खबर संक्षेप

तिहाड़ के बाहर मना केजरीवाल का जन्मदिन

नई दिल्ली। आपके संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल का जन्मदिन कार्यकर्ताओं ने तिहाड़ जेल के बाहर मनाया। आप नेताओं ने दिल्ली सीएम को जन्मदिन की बधाई दी। आतिशी ने केजरीवाल को शुभकामनाएं आतिशी ने लिखा आज आधुनिक भारत के क्रांतिवीर केजरीवाल का जन्मदिन है, जिसनें अपने गवर्नेंस मॉडल से दिल्ली की दशा-दिशा बदल दी।

अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव शिमला में शुरू

27 विदेशी के साथ 20 राज्यों की फिल्मों का होगा प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶ शिमला

शिमला के अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का 10वां संस्करण शुक्रवार से गेयटी थिएटर में शुरू हो गया है। यह 18 अगस्त तक चलेगा।

महोत्सव का मिशन विश्व के सर्वश्रेष्ठ सिनेमा का प्रदर्शन करना और युवाओं में अच्छे सिनेमा के प्रति रुचि विकसित करना और स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं के लिए एक मंच प्रदान करना और भारतीय क्षेत्रीय सिनेमा को बढ़ावा देना है। यह महोत्सव हिमालयन वेलोसिटी द्वारा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और

राज्य के भाषा एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। इस में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, ईरान, श्रीलंका, उरुग्वे, जर्मनी, नेपाल, ग्रीस सहित 27 देशों और देश भर के 20 राज्यों की फिल्में दिखाई जाएंगी। एमआईबी ने कहाशिमला के फिल्म महोत्सव 'आईएफएफएस 2024' की घोषणा करते हुए खुशी और गर्व हो रहा है।

उद्धव और राउत की धमकी

जिसने हमें छोड़ा, उसे हराएंगे वक्फ की संपत्ति छूने नहीं देंगे

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा अपनी पार्टी राकांपा को शरद पवार की राकांपा-एसपी के साथ फिर से जोड़ने की अटकलों पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने स्पष्ट शब्दों नें कहा कि पार्टी में वापस जाना यह राकांपा का अपना निर्णय है। हमारी पार्टी की बात करें तो जिन्होंने हमें छोड़ा, हम उन्हें हराएंगे। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और शिवसेना यूबीटी के नेता उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह किसी को भी वक्फ बोर्ड और मंदिरों की संपत्तियों

को हाथ नहीं लगाने देंगे। उद्धव ने सीएम पद को लेकर भी अहम बात कही और कहा कि वह महाविकास अघाड़ी गठबंधन में सीएम पद को लेकर चर्चा कर रहे हैं। मैं ऐलान कर रहा हूं कि अगर वक्फ बोर्ड या किसी मंदिर और धार्मिक संपत्ति को किसी ने छूने की भी कोशिश की तो मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। यह मेरा वादा है।

4 राज्यों में एसीबी और ईओडब्ल्यू का छापा

छग के 20 ठिकानों पर रेड, राजस्थान झारखंड और महाराष्ट्र में भी कार्रवाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ में डीएमएफ फंड घोटाले मामले में एसीबी- ईओडब्ल्यू ने छापामार कार्रवाई की है। टीम ने प्रदेश के रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग भिलाई, रायगढ़, सहित 20 ठिकानों पर छापा मारा है। छग के अलावा राजस्थान, झारखंड और महाराष्ट्र में भी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई से लोगों में हड़कंप मचा है। जेल में बंद निलंबित आईएएस समीर बिश्नोई, रानू साहू और सौम्या चौरसिया के ठिकानों पर ईओडब्ल्यू की टीम ने छापेमारी की।

समीर के राजस्थान, सौम्या चौरसिया के बेंगलुरु और रानू के झारखंड के ठिकानों पर भी कार्रवाई की है। रायपुर के देवेंद्र नगर स्थित सरकारी आवास समेत उनकी पत्नी प्रीति गोदारा के गायत्री नगर स्थित मकान नंबर डी - 42 में टीमें पहुंची है। उनके केयर टेकर शैलेंद्र शर्मा के गायत्री नगर स्थित मकानों पर कार्रवाई की है।

एक साथ छापे से सहमे लोग

दुर्ग जिले के नेहरू नगर ईस्ट निवासी होटल व्यवसायी अनिल कुमार पाठक के होटल और निवास पर भी छापा मारा गया है। कहा जा रहा है कि बिजनेसमैन को साथ लेकर भी टीम जा सकती है। रायगढ़ और कोरबा में दोनों जिलों में एंटी करप्शन ब्यूरो ने छापा मारा है। टीम ने एक ठेकेदार से पूछताछ की थी। एक साथ इतने ठिकानों पर पड़ी रेड की वजह से हड़कंप मचा है।

अटल बिहारी की पुण्यतिथि पर तमाम दिग्गजों ने किया नमन

राजनीति के अजातशत्रु, महान देशप्रेमी का शत-शत वंदन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला ने भी श्रद्धांजलि दी। अटल जी की दत्तक पुत्री नमिता कौल भट्टाचार्य भी सदैव अटल में पूर्व पीएम को पुष्पांजलि अर्पित की। एनडीए के अन्य नेताओं ने भी सदैव अटल में पूर्व पीएम को श्रद्धांजलि दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पूर्व पीएम को याद किया। उन्होंने लिखा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटलजी की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

सुरक्षा, आर्थिक आधुनिकीकरण में अमिट योगदान

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई जी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हमारे देश की सुरक्षा और आर्थिक आधुनिकीकरण में उनके आजीवन योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

राजनीतिक शुचिता, राष्ट्रहित के प्रति निष्ठा व सिद्धांत दिया: शाह

गृह मंत्री अमित शाह ने भी उन्हें याद किया। उन्होंने कहा कि देश में जब-जब राजनीतिक शुचिता, राष्ट्रहित के प्रति निष्ठा व सिद्धांतों के प्रति अडिगता की बात आएगी, अटल जी जरूर याद आएंगे। अटल जी ने प्रधानमंत्री के रूप में देश को सामरिक व आर्थिक रूप से मजबूती दी। भारत रत्न श्रद्धेय अटल जी को उनकी पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन करता हूं।

नड्डा ने कहा- सेवा और सुशासन का मंत्र दिया

स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि भारतीय राजनीति के अजातशत्रु, कोटिश: भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रेरणा-पुंज 'भारत रत्न' श्रद्धेय अटल को शत-शत नमन करता हूं। अटल जी ने राजनीति में सेवा और सुशासन की मजबूत आधारशिला रखी।

गडकरी ने करोड़ों कार्यकर्ताओं का प्रेरणास्रोत बताया

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी देश के करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत हैं। एक कुशल संगठनकर्ता के रुप में विचारधारा और सिद्धांतों पर आधारित अटलजी का जीवन राष्ट्र के प्रति सदैव समर्पित था।

शिवराज ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि नए भारत के निर्माता, सुशासन के आदर्श प्रतिमान, हम सबके प्रिय, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। अपने दूरदर्शी नेतृत्व में उन्होंने देश को विकास की अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंचाया। एक सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए उनके प्रयासों को सदैव स्मरण किया जाएगा। भारत रत्न के चरणों में कोटि-कोटि प्रणाम!

सीजेआई की पीठ ने केंद्र से मांगा जवाब

रोहिंग्याओं की हालत बहुत खराब, उन्हें जेल से छोड़िए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में केंद्र से एक याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें देश में अनिश्चितकालीन हिरासत में रखे गए रोहिंग्या शरणार्थियों की रिहाई की मांग की गई है। कोर्ट ने 12 अगस्त को इस संबंध में आदेश जारी किया। शीर्ष अदालत ने कहा कि नोटिस जारी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इसका जवाब 27 अगस्त तक दिया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने ये फैसला दिया। इसमें न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। पीठ ने केंद्र और अन्य से याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा है। जनहित याचिका में भारत में युवा महिलाओं और बच्चों सहित रो हिं ग्या शरणार्थियों को अनिश्चित काल के लिए हिरासत में रखने को चुनौती दी गई है।

इसमें कहा गया है कि यह कानून द्वारा स्थापित प्रक्रियाओं का उल्लंघन है। यह याचिका रीता मनचंदा ने दायर की है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मोः 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)